༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས།།

*Tibetan Buddhist Resource Center*

## Text Scan Input Form - Title Page

| | | | |
|---|---|---|---|
| ***Work:*** | W3CN777 | ***ImageGroup:*** | I3CN779 |
| ***LCCN:*** | n/a | ***ISBN:*** | n/a |

| | |
|---|---|
| ***Title:*** | སྤྱི་ལོ་2008ལོར་སྲི་གཅོད་ཀྱིས་ཉར་ཚགས་བྱས་པའི་སྡེ་དགེའི་དམངས་ཁྲོད་གནའ་དཔེ་བྲིས་མའི་གློག་རྡུལ་འདྲ་བཤུས།<br><br>spyi lo 2008lor sri gcod kyis nyar tshags byas pa'i sde dge'i dmangs khrod gna' dpe bris ma'i glog rdul 'dra bshus/ |
| ***Author:*** | |
| ***Descriptor:*** | n/a |
| ***Original Publication:*** | n/a;n/a |
| ***Place:*** | [s.l.] |
| ***Publisher:*** | [s.n.] |
| ***Date:*** | [n.d.] |
| ***Volume:*** | 1 |
| ***Total Volumes:*** | 7 |
| ***TBRC Pages:*** | 2 |
| ***Introductory Pages:*** | n/a |
| ***Text Pages:*** | n/a |
| ***Scanning Information:*** | Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 12/2014 |

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཕཊ་

ཨཱཿ ནཱིལཱམྦུཛཱཀྵཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱལཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ
ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ
ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ ཨཱཿ ཤཱཀཱཡཻ ཧཱུྃ

ལས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ། ཞེས་པ་ནས། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་
ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་
ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་
ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་
བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་
པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་
ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་
པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་
ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་
བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་པའི་ཚེས་བཅུ་བདུན་ཉིན་ཏེ་ཞེས་པ་ནས་ཀྱང་ངོ་། ཐུབ་

ཨ་ཀ་ཙི་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ར་ལ་ཝ་ཤ་ཥ་ས་ཧ་ཀྵ་མ་ལ་ཝ་ར་ཡ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ

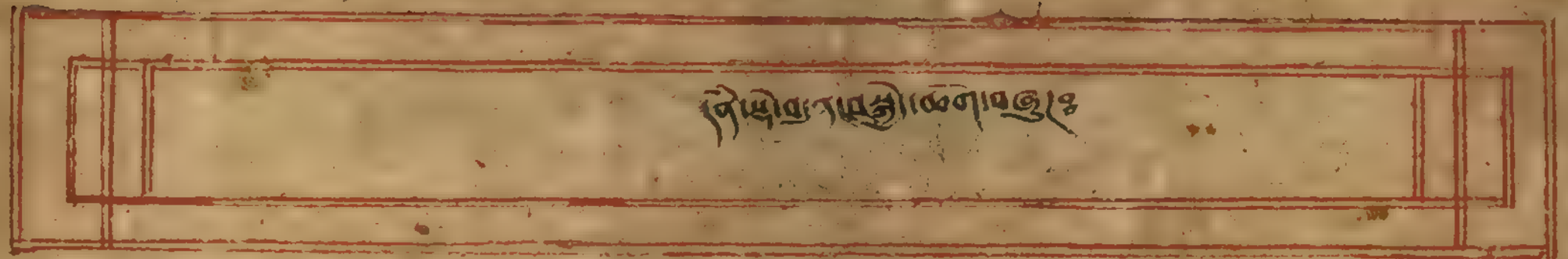

[illegible] ॥ [illegible] [illegible] [illegible]

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཐུགས

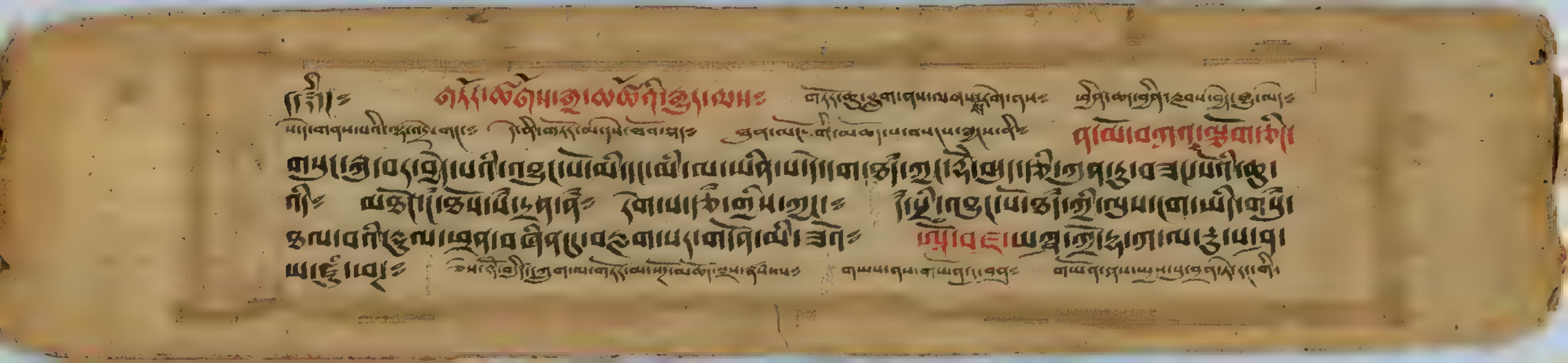

ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ ཨཱཿཧཱུྃ

།ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ།

ཀཱཡཝཱཀྐཱཡཙིཏྟཱནུཔཱཡཱཔཱཏཱཡཱཔཱཏཱཡཱཔཱཏ

ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे

ॐ अथ श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य

ॐ नमो भगवते वज्रधराय वज्रपाणये महायक्षसेनापतये हुलु हुलु मातङ्गिनि स्वाहा ॥

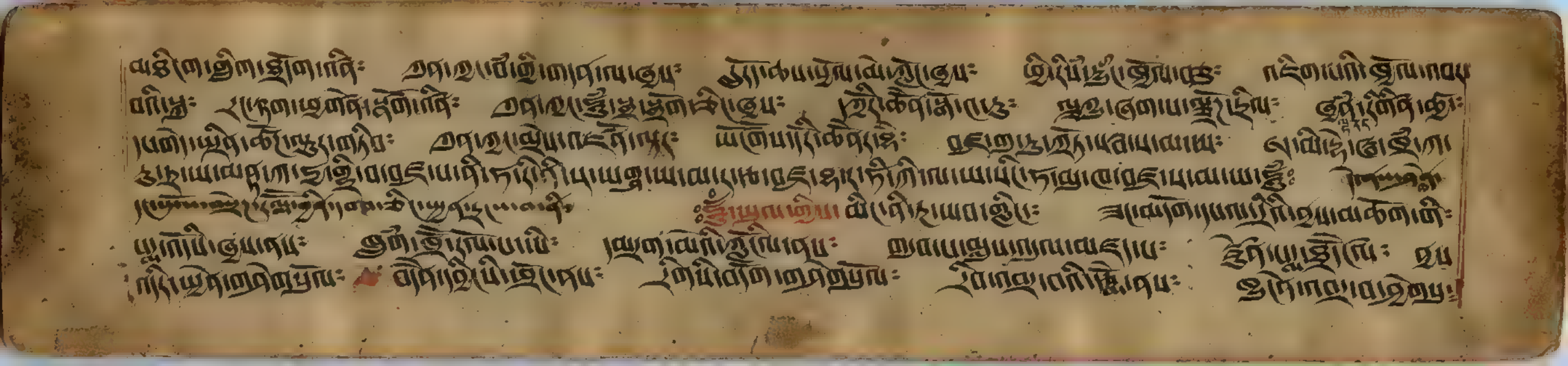

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
ब्रह्मशिरोमालाभरणाय नागयज्ञोपवीतिने महाकालाय त्रिशिखिने त्रिलोचनाय
भीमभृकुटीमुखाय दंष्ट्राकरालवदनाय ऊर्ध्वकेशजटामुकुटशोभिताय
नीलजीमूतनिभाय व्याघ्रचर्मनिवसनाय गजासुरमुखाय
गणपतिमुखाय प्रेतोपरिसंस्थिताय हिमवत्कैलासवासिने
नमस्ते रुद्ररूपाय महाशक्तिधराय च
हनहन दहदह पचपच मथमथ विध्वंसय विध्वंसय विदारय विदारय
कर्तय कर्तय शातय शातय परमन्त्रान् परयन्त्रान् परतन्त्रान्
परविद्याश्छेदय छेदय सहस्रवज्रसमूहसंघातेन
हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमः श्रीः ॐ नमः श्रीः ॐ नमः श्रीः

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏྭཱ་ཨཱཡཏིཾ་སུགཏིབྷཱགིཏཱཡ་ཝཏྟཏི་ཏཾ་སབྦཾ་ཨཱཀཱངྑམཱནོ་ཨཧཾ་ཨེཝཾ་ཝདཱམི།

ཨཱཡཏིཾ་སུགཏིབྷཱགིཏཱཡ་ཝཏྟཏི་ཏཾ་སབྦཾ་ཨཱཀཱངྑམཱནོ་ཨཧཾ་ཨེཝཾ་ཝདཱམི།

ॐ नमः ...

ॐ हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ हुं फट् स्वाहा ॥

ཨཱཙཱརྱཱ་ཡ་ནམཿ ཨཱཙཱརྱཱ་ཡ་ནམཿ ཨཱཙཱརྱཱ་ཡ་ནམཿ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय
त्रिभुवनहिताय महाप्रभावाय महाविद्यासाधकाय सर्वसत्त्वानुकम्पिने सर्वसत्त्वाभयदाय
सर्वसत्त्वसुखदाय सर्वसत्त्वपरित्राणाय सर्वसत्त्वपरिपालनाय सर्वसत्त्वसंजीवनाय
सर्वसत्त्वसंरक्षणाय सर्वसत्त्वसंतर्पणाय सर्वसत्त्वसंपूरणाय सर्वसत्त्वसंवर्धनाय
सर्वसत्त्वसंतोषणाय सर्वसत्त्वसंपोषणाय सर्वसत्त्वसंवर्धनाय सर्वसत्त्वसंतोषणाय
सर्वसत्त्वसंपोषणाय सर्वसत्त्वसंवर्धनाय सर्वसत्त्वसंतोषणाय सर्वसत्त्वसंपोषणाय
सर्वसत्त्वसंवर्धनाय सर्वसत्त्वसंतोषणाय सर्वसत्त्वसंपोष

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

ॐ कुरुक्षेत्रादिपवित्रदेशेषु देवद्रव्यादिरक्षणोद्यतेभ्यः श्रीमद्भट्टारकसकलकीर्तिभ्यः नमः

ॐ नमः श्रीवर्द्धमानाय नमः सिद्धेभ्यः पुण्यपापविनिर्मुक्तं स्वात्मोत्थसुखभोगिनं।
त्रैलोक्यशिखरासीनं सिद्धं वंदे पुनः पुनः ॥१॥ नमः श्रीवीतरागाय सर्वज्ञाय महात्मने।
त्रैलोक्यनाथवंद्याय वर्द्धमानाय तायिने ॥२॥ नमः श्रीगौतमादिभ्यो गणिभ्यो गुणशालिभ्यः।
मुनिभ्यो भावतो भावशुद्धिदेभ्यो नमोनमः ॥३॥ नमः श्रीसरस्वत्यै वाग्देवतायै।
चतुरस्रायै सकलज्ञानसाम्राज्यपदायिन्यै ॥४॥ अथ श्रीमूलसंघे भट्टारकश्रीपद्मनंदिदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीशुभचंद्रदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीजिनचंद्रदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीप्रभाचंद्रदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीधर्मचंद्रदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीरत्नकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीप्रभाकीर्तिदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीशुभचंद्रदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीसकलकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीभुवनकीर्तिदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीज्ञानभूषणदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीविजयकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीशुभचंद्रदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीसुमतिकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीगुणकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीवादिभूषणदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीज्ञानकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीप्रभाचंद्रदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीवादिचंद्रदेवाः
तत्पट्टे भट्टारकश्रीज्ञानकीर्तिदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीप्रभाचंद्रदेवाः तत्पट्टे भट्टारकश्रीवादिचंद्रदेवाः

ॐ श्रीपार्श्वनाथाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः सरस्वत्यै नमः श्रीगौतमस्वामिने नमः

ગોવિંદ નારાયણ શ્રીવલ્લભાય નમોનમઃ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषयभीषयसर्वदुष्टान् ॐ कुरु कुरु सर्वविघ्नान् हन हन सर्वदुष्टान् दह दह सर्वपापं पच पच सर्वदुष्टान् मथ मथ सर्वदुष्टान् विध्वंसय सर्वदुष्टान् परमशोषणं कुरु कुरु सर्वदुष्टानां सत्वानां वाचं मुखं पदं स्तंभय दृष्टिं मतिं विद्यां नाशय नाशय अक्षयं कुरु कुरु परविद्यां छेदय छेदय परमन्त्रान् भिन्धि भिन्धि परकुलानि स्फोटय स्फोटय परहृदयं दारय दारय हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषयभीषयसर्वदुष्टान् ॐ कुरु कुरु सर्वविघ्नान् हन हन सर्वदुष्टान् दह दह सर्वपापं पच पच सर्वदुष्टान् मथ मथ सर्वदुष्टान् विध्वंसय सर्वदुष्टान् परमशोषणं कुरु कुरु सर्वदुष्टानां सत्वानां वाचं मुखं पदं स्तंभय दृष्टिं मतिं विद्यां नाशय नाशय अक्षयं कुरु कुरु परविद्यां छेदय छेदय परमन्त्रान् भिन्धि भिन्धि परकुलानि स्फोटय स्फोटय परहृदयं दारय दारय हुं फट् स्वाहा ॥

ཀྱེ། ཀུ་ཡི་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། པུ་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཀཏ་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ།
ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ།
ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ།
ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ།
ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ།
ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཏི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ། ཤི་ཡཱ་ཡཱ་ཡི་ཡཱ་ཝ་ཀེ་ཡཱ་ཡཱ།

ಕೆಲವರು ಅಂತಾವಾದರು ಅಲ್ಲಿಯಿಂದ ಬಂದಾಗ ಅವರು ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ བཛྲཱཡཱུ་ཤཱ་ཧཱ་ཡ་ཧཱུྃ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ བཛྲཱཡཱུ་ཤཱ་ཧཱ་ཡ་ཧཱུྃ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ བཛྲཱཡཱུ་ཤཱ་ཧཱ་ཡ་ཧཱུྃ་

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ ॐ

[illegible]

ॐ॥ त्रिपादनीरसूयाग्नेयुत॥ ॐसुवनीपुत्रपापाय॥७ ॐहुँपुँफुट्साँहोंनमोनमः॥ घोषाम्बुधाराकाय॥ जयपाशुक्ल
नत्रिपादाग्नेयुत॥ ॐ हुँपुँसेवाशुक्लपुरानकेपाशेषायाय॥ नाभुनाक्तिनीमोक्षेत्रकेतोनीपुरः॥ वंशीकरिमत्रशतक्षुधाय॥ पुँफ्
ट्रीँधनधानक्षाय॥ पुँनाग्नेयुत॥ नेषेत्तेपीपुँक्षाय॥ पशुपेंनाग्नीनधावजाय॥ धामाहोतीनीकुपाक्षाय॥ जयपा
नत्रिपादाग्नेयुत॥ ॐ हुँरीँणविषेपुरानकेय॥ सैनाशुंजाकेषेनीपुत॥ क्षेणानकुवाक्तीरीपुत॥ पुरानशुवाषेजा
ग्नेयुत॥ जेषेपाक्षेपुत्रावेक्तीनाक्षेण॥ पुरानुग्नेषेपाक्षेपुरीनाक्षेरः॥ पुरापुरुषेनाक्षेनाशुरानक्षत॥ क्षुधानत्रिपादाग्नेयुत॥
ॐ हुँपुँसेनाशुधाक्षीनीनक्षुधाय॥ त्रिनाशुनाकेषेपुरानुत॥ पुरीनुषेपीनाक्षनीपे॥ नेपाशुकेषेनाग्नेयुत॥ वीनाक्षाक्षेपु
ना त्रिनाकेषेनाश्च॥ क्षुषेनाशुरानक्षेपुत॥ षेक्षनीनक्षेपानाशुनाक्षुनाय॥ नत्रिपानुधानसरीग्नेयुत॥ ॐ हुँपुँनाधानाशा॥

[illegible]

ཨོཾ་ཀཱ་ལཱ་ཀཱ་ལཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ཧཱུྃ།

[illegible] ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐོག་ཏུ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡི་ཐོག་ཏུ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིས་ཐུགས་ཀྱི་ཐོག་ཏུ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིས་ཚངས་པ

ॐ॥ हेवज्रधरावलोकितेश्वरमहाकरुणिक॥ वज्रप्रावज्रसत्त्वप्रज्ञाज्ञानाभिन्नाय॥ हेवज्रधरावेरावज्रसत्त्वाय॥ वज्रसत्त्वविरजाधातुवज्रसत्त्व॥
विरजेश्वरवज्रसत्त्वाय॥ वज्रसत्त्वमहाप्रभावमहाविद्याधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ वज्रसत्त्वविरजाधातुवज्रसत्त्व॥
महाकालक्रोधराजाय॥ वज्रसत्त्वमहाकालक्रोधराजाय॥ आर्यावलोकितेश्वरमहाकरुणिकाय॥ आर्यावलोकितेश्वरमहाकरुणिक॥ वज्रसत्त्व॥
महाकालक्रोधराजाय॥ वज्रसत्त्वमहाकालक्रोधराजाय॥ वज्रसत्त्वमहाकालक्रोधराजाय॥ वज्रसत्त्वमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकाल॥
वज्रसत्त्वमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकाल॥
वज्रसत्त्वमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकालक्रोधराजाय॥ हूंहोंमहाकाल॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महासाहस्रप्रमर्दनाय
महाप्रतिहारिकाय अजिताय अपराजिताय परविद्याप्रमर्दनाय अक्षोभ्यरक्षाकराय परमुद्रासंक्षोभणाय
परविद्यासंक्षोभणाय परविद्याछेदनाय परविद्याभेदनाय परविद्यास्तम्भनाय परविद्याविदारणाय
परविद्यापरमुद्राप्रमर्दनाय परविद्याविध्वंसनाय परविद्यानिवारणाय परविद्यासंजीवनाय परविद्यासंहरणाय

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཝཛྲ་ཨ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ། ཨ་ཧཾ་ཝཛྲ་ཏྭ་ཀཱ་ཡ། ཨ་ཧཾ་ཝཛྲ་ཏྭ་ཝཱཀ་ཙི་ཏྟ། ཨ་ཧཾ་ཝཛྲ་ཏྭ་ཛྙཱ་ན་ཨ་ཏྨ་ཀོ་ཧཾ། ཨ་ཧཾ་ཝཛྲ་ཏྭ་ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏྟ

પાણ્ડુ। ત્રૈલ્યાવદુનાલ્લુહ્યપ્રેનાધોકર્ષવયા। ઓણ્યાનજ્ઞેનાક્રોલ્વાણ્ધેપાવક્રોણા। ષવ્યાતુલ્વાપ્રેપ્રૈનાલોનાતુલ્વાપ્રેણા।
ઓણ્યાનેણોલ્યાત્પ્રાવેવા। વહેપ્રૈનાયાકોલ્વાણ્ધોવાપ્રાત્રેવા। વાહ્યાણોલ્વાપ્રાણ્ડિપાલ્વેણા। કર્યાનોનેનાધ્યાનાણ્યાનીનવા

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पूर्वाचलप्रतिष्ठानं पुण्यं ज्ञानमयं परं ॥
तमश्चार्कोदयापेतं मुनिभिः सेवितं सदा ॥ तमेकमक्षरं ब्रह्म सर्वव्यापिनमीश्वरं ॥ वासुदेवं
जगन्नाथं लक्ष्मीकांतं नमाम्यहं ॥ नारायणं पद्मभुवं वसिष्ठं शक्तिं च तत्पुत्रपराशरं च ॥
महांतमाचार्यवरं च तस्य जातूकर्ण्यमामि मुनींद्रमीडे ॥ व्यासं वसिष्ठनप्तारं शक्तेः
पौत्रमकल्मषं ॥ पराशरात्मजं वंदे शुकतातं तपोनिधिं ॥ व्यासाय विष्णुरूपाय व्यासरूपाय
विष्णवे ॥ नमो वै ब्रह्मनिधये वासिष्ठाय नमो नमः ॥ अविकारायशुद्धाय नित्याय परमात्मने ॥
सदैकरूपरूपाय विष्णवे सर्वजिष्णवे ॥ यस्यस्मरणमात्रेण जन्मसंसारबंधनात् ॥ विमुच्यते
नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ नमः समस्तभूतानामवस्थितिविसर्गयोः ॥ हेतवेऽस्तु
महायोगिन्नादिमध्यांतभेदिने ॥ व्यासाय कविरूपाय विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ नमो

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་
ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་

།ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ངེས་པར་འགྲེལ་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ་ལས་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་སྡེབ་སྦྱོར་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཆོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་ཏེ་ཉི་ཤུ་པའོ།།

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ ། ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ ། ཨཱཿཧཱུྃ་ བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ །

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཙམ་ཞིང་ཁམས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པའི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འབྱུང་བ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འབྱུང་བ་ཡིན་ཏེ། ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཡང་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཡང་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་
རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཡང་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ

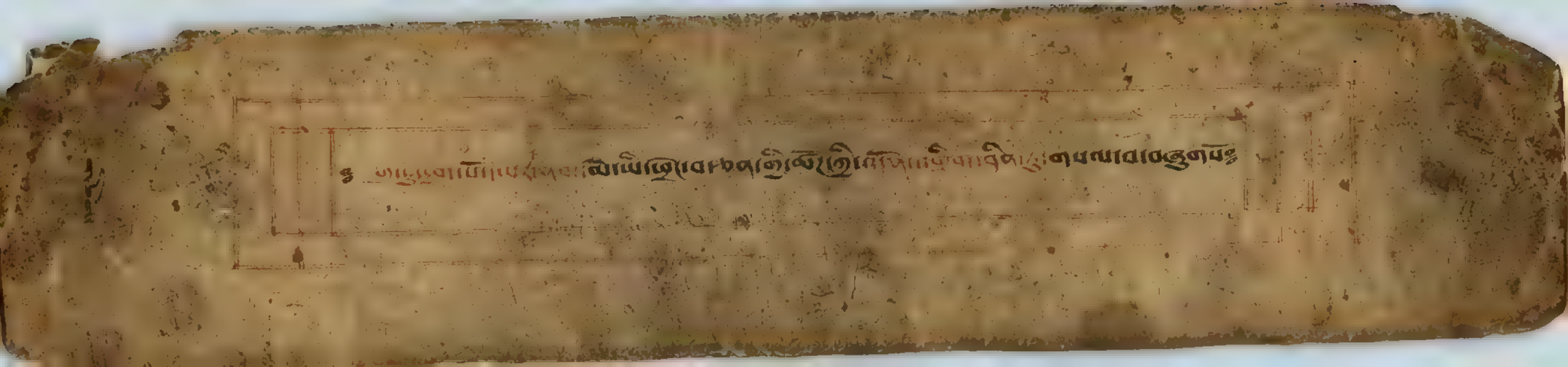

वाणाङ्गवेवाल्वत्नाभेषाभाल्वः  वैभवाभ्यङ्कुङ्कावत्वीवाल्वुवावतीवः  ज्ञीवाल्वुप्रुवाणुप्रीहुभावतीजीः  वङ्गभावत्वा
प्रुभाप्रिवीवङ्गरः  गरीवाणुत्रीजीहीज्ञीवाल्वीवावत्वीवः  वाणवाल्वाणीवाणुतीवाणुप्रीहुवः  ज्ञीवावरीवाणीवा
वल्लुवाल्वीवाल्वतः  गरीवाजीवङ्गल्लुभावावाणाङ्गवाल्वः  व्वङ्गवाणुत्रीवाल्वाल्लुवावाल्वुवः  पल्लुवाणीकाल्वभाभेषा
णवः  वाल्लुवल्लुत्रीवाङ्गिल्लुवाल्वः  वैजीवाल्वाणवैभवाणङ्गीवाल्वुः  ङ्गीवावभेजीवाल्वुत्रावाङ्गवाल्वुः  वावस्व
प्रुवावाल्वुभावाल्वुवाणुभीवावङ्गरः  गरीवाणुत्रीवः  वाणवाल्वाणवः  ज्ञीवाङ्गरवः  गरीवाजीवः  व्वङ्गवाणुत्रीवाल्वुतीवः

ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞལ་ཏ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ་ཀ

ꣳꣳꣳ

ཀྱཻཾཿ ཐྭཱཿ ཡཱཝཏྱཱིཔྲཱཔྟིཔརྱནྟཾཿ ཀཱལཙཀྲཱཡཱུརཱཛྱཱིརཱཎཱཾཿ ཀཱཡཙཀྲཱཡཱཔཱཡུཥཱ
ཝཛྲིཎཱིཡེཾཿ ཛྱོཏིཥཱཔྲཱཎཱཛྙཱནཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཡེཾཿ ཐྲིཡཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱུརཱཡེཾཿ ཅཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཝཱཀྐཱཡེཾཿ
ཤཱཀཱཧུཏཱུརཱཎཙཀྲཱཡཱཔཱཡིཎེཾཿ ཀིཾཀཱཙཱཡུཔཱཏྲིཡེཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཏེཾཿ ཅཏུཥཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཀཱཤཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱ
ཐཙཀྲཱཡཱཔཱཡིཎེཾཿ ཡཱཝཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཔྲཐཱཡེཾཿ ཅཐཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཝཱཡེཾཿ ཐཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཀཱཤཱཡེཾཿ
ཨཱཀཱཤཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཔྲཐཱཡེཾཿ ཅཏུཥཙཀྲཱཡཱཔཱཡཱཏེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཝཱཀྐཱཡེཾཿ
ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཀཱཤཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཔྲཐཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཏེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཡེཾཿ
ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཝཱཀྐཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཀཱཤཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཔྲཐཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཏེཾཿ
ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཝཱཀྐཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཀཱཤཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཔྲཐཱཡེཾཿ
ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཏེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཝཱཀྐཱཡེཾཿ ཅཏུཥཔྲཱཎཱཡཱཔཱཡཱཀཱཤཱཡེཾཿ

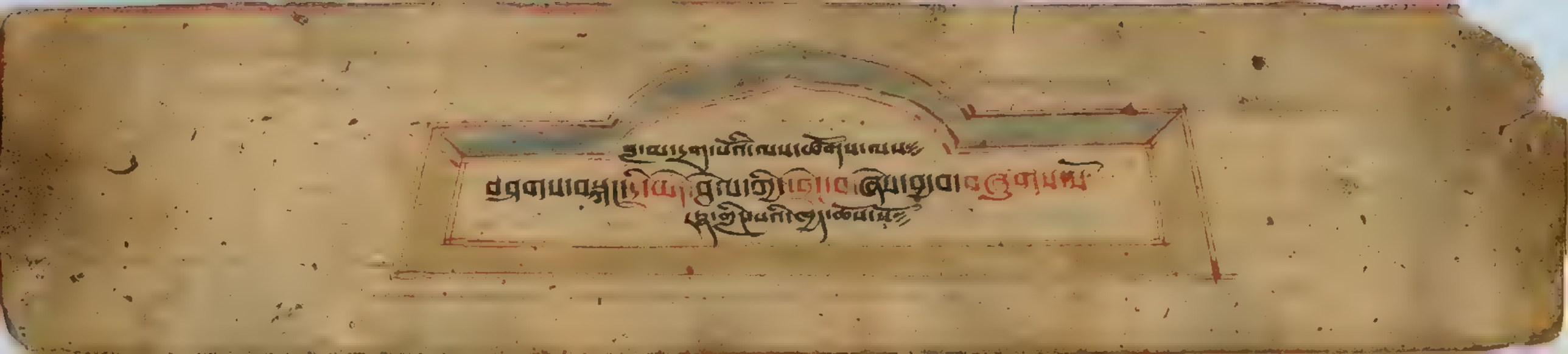

ཀཱལཱཡ་ཀཱལཱཡ་ཀཱལཱཡ་

ཐིཡུམ་དཔལ་ཡེ་ཤེས་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཇི་སྐད་དུ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱི་ཡུམ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཆོས་ཀྱི་རྣམ་གྲངས་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་གྱུར་པ་ཐམས་ཅད

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལ་སྙོམས་པར་ཞུགས་ཏེ། ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ལངས་ནས། ཚེ་དང་ལྡན་པ་ཤཱ་རིའི་བུ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ། ཤཱ་རིའི་བུ་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་དེ་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཡིན་ནོ།

ཀཱཾ། ཨཱཾ། ཨཱཿ། ཨཱཿ། ཨཱཿ

ལས་ཀྱི་ཚོགས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཞི་བར་བྱེད་ཅིང་། ཡིད་བཞིན་གྱི་ནོར་བུ་ལྟ་བུ་ཡིན་ཏེ། ཡིད་ལ་གང་འདོད་པ་དེ་ཐོབ་པར་བྱེད་པའི་ཕྱིར་རོ། །ཡང་ན་

ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།
ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།
ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།
ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།
ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།
ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།
ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ཀྱང་།

ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཀུན་ལས་བཏུས་པའི་ཐ་ཚིག་ཅེས་བྱ་བ་བཞུགས་སོ།

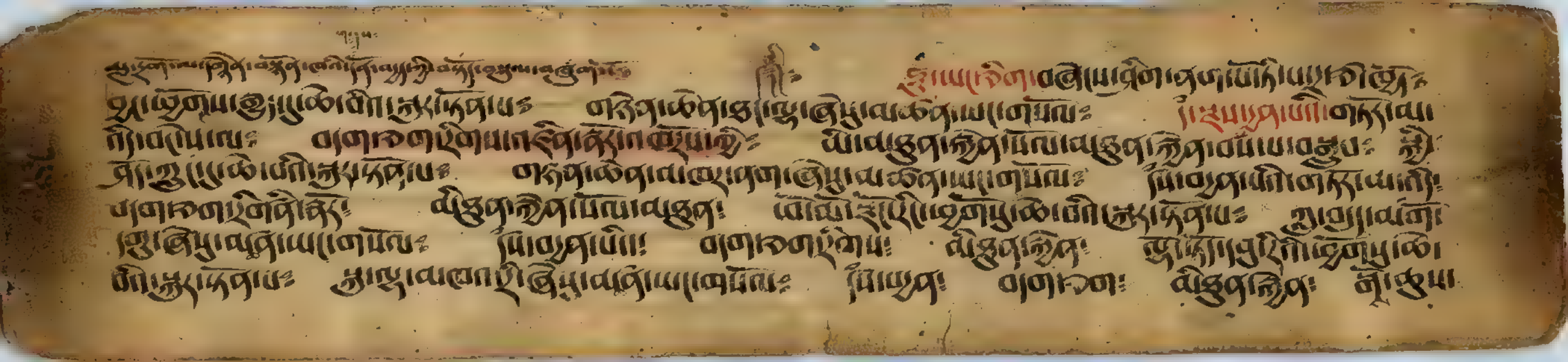

ॐ॒ ॥ ॥ ॥

ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞལ་ཏ་ཀ།

ཨོཾ་སྭ་སྟི་ཧོ་ཏུ་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་།།

ཐོག་མར་ཤིན་ཏུ་ཟབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཡོན་ཏན་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ཅན་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཡུམ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།།

ཐོག་མར་ཤིན་ཏུ་ཟབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཡོན་ཏན་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ཅན་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཡུམ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།།

ཐོག་མར་ཤིན་ཏུ་ཟབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཡོན་ཏན་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ཅན་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཡུམ་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།།

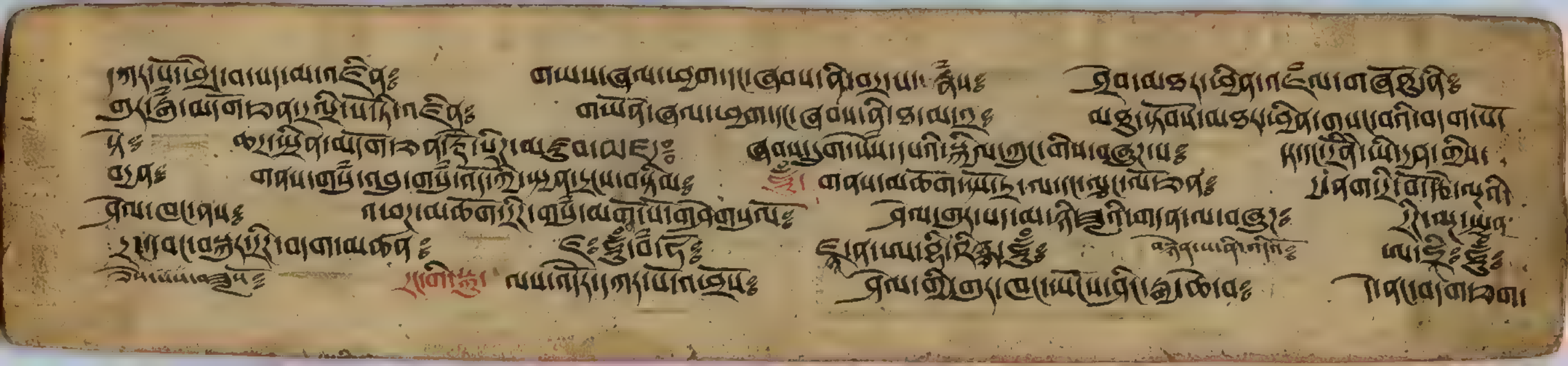

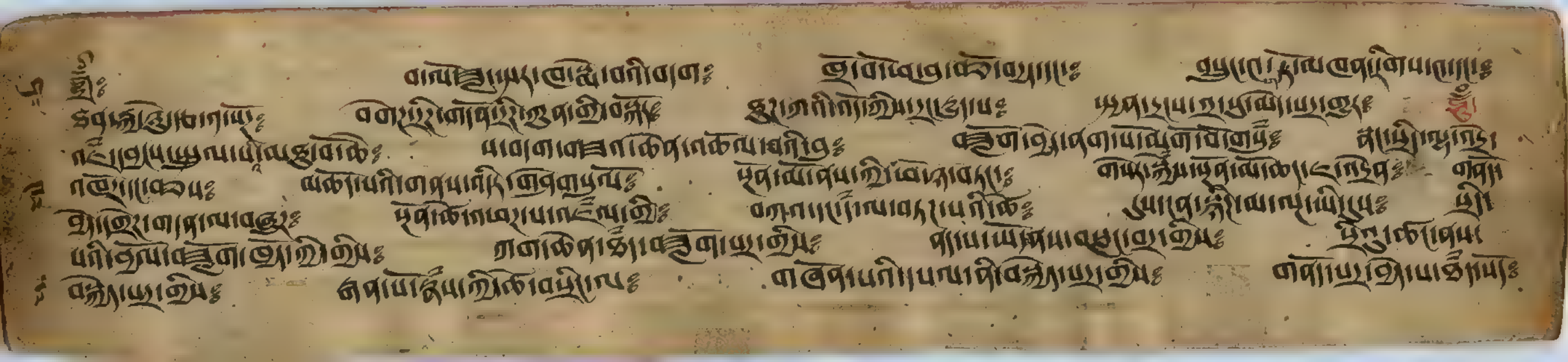

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषय भीषय कम्पय कम्पय मोहय मोहय आकर्षय आकर्षय मर्दय मर्दय तापय तापय शोषय शोषय उत्सादय उत्सादय सहस्रज्वालाभामालाकुलाय वज्रशृङ्खलाय वज्रपाशाय वज्रसङ्कलाय वज्रकवचाय वज्रदण्डाय वज्रखड्गाय वज्रचक्राय वज्रशक्तये वज्रत्रिशूलाय वज्रमुद्गराय वज्रपरशवे वज्रशस्त्राय वज्रहस्ताय वज्रदंष्ट्राय वज्रमुखाय वज्रतुण्डाय वज्रजिह्वाय वज्रनेत्राय वज्रनखाय वज्रदन्ताय वज्रकायाय महाबलपराक्रमाय महादुर्दमनाय महादुष्प्रसहाय महारौद्रनादस्फोटय सर्वविघ्नान् दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय सर्वदुष्टान् ग्रह गृह्णापय गृह्णापय आकर्षय आकर्षय मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषय भीषय कम्पय कम्पय मोहय मोहय आकर्षय आकर्षय मर्दय मर्दय तापय तापय शोषय शोषय उत्सादय उत्सादय सहस्रज्वालाभामालाकुलाय वज्रशृङ्खलाय वज्रपाशाय वज्रसङ्कलाय वज्रकवचाय वज्रदण्डाय वज्रखड्गाय वज्रचक्राय वज्रशक्तये वज्रत्रिशूलाय वज्रमुद्गराय वज्रपरशवे वज्रशस्त्राय वज्रहस्ताय वज्रदंष्ट्राय वज्रमुखाय वज्रतुण्डाय वज्रजिह्वाय वज्रनेत्राय वज्रनखाय वज्रदन्ताय वज्रकायाय महाबलपराक्रमाय महादुर्दमनाय महादुष्प्रसहाय महारौद्रनादस्फोटय सर्वविघ्नान् दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय सर्वदुष्टान् ग्रह गृह्णापय गृह्णापय आकर्षय आकर्षय मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीषय भीषय कम्पय कम्पय मोहय मोहय आकर्षय आकर्षय मर्दय मर्दय तापय तापय शोषय शोषय उत्सादय उत्सादय सहस्रज्वालाभामालाकुलाय वज्रशृङ्खलाय वज्रपाशाय वज्रसङ्कलाय वज्रकवचाय वज्रदण्डाय वज्रखड्गाय वज्रचक्राय वज्रशक्तये वज्रत्रिशूलाय वज्रमुद्गराय वज्रपरशवे वज्रशस्त्राय वज्रहस्ताय वज्रदंष्ट्राय वज्रमुखाय वज्रतुण्डाय वज्रजिह्वाय वज्रनेत्राय वज्रनखाय वज्रदन्ताय वज्रकायाय महाबलपराक्रमाय महादुर्दमनाय महादुष्प्रसहाय महारौद्रनादस्फोटय सर्वविघ्नान् दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय सर्वदुष्टान् ग्रह गृह्णापय गृह्णापय आकर्षय आकर्षय मम सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वसत्त्वानां च सर्वकार्याणि साधय साधय सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि
सर्वभूतसत्त्वेभ्यः सर्वदुष्टेभ्यः सर्वपापेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः सर्वग्रहेभ्यः सर्वविषेभ्यः
सर्वशत्रुभ्यः सर्वभयेभ्यः सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वदुःखेभ्यः सर्वदुर्गतिभ्यः सर्वदुर्मतिभ्यः
सर्वदुःस्वप्नेभ्यः सर्वदुर्निमित्तेभ्यः सर्वदुरारिष्टेभ्यः सर्वदुर्लक्षणेभ्यः सर्वदुष्टग्रहेभ्यः
सर्वदुष्टनक्षत्रेभ्यः सर्वदुष्टमुहूर्तेभ्यः सर्वदुष्टकरणेभ्यः सर्वदुष्टराजभयेभ्यः
सर्वदुष्टचोरभयेभ्यः सर्वदुष्टवह्निभयेभ्यः सर्वदुष्टवारिभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः
सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टविग्रहभयेभ्यः सर्वदुष्टविवादभयेभ्यः सर्वदुष्टदुर्भिक्षभयेभ्यः
सर्वदुष्टदुर्वृष्टिभयेभ्यः सर्वदुष्टाशनिभयेभ्यः सर्वदुष्टपरचक्रभयेभ्यः सर्वदुष्टस्वचक्रभयेभ्यः
सर्वदुष्टप्रत्यर्थिकभयेभ्यः सर्वदुष्टस्वाम्यमात्यभयेभ्यः सर्वदुष्टसेनापतिभयेभ्यः
सर्वदुष्टदण्डपाशिकभयेभ्यः सर्वदुष्टसेनाभयेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामभयेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः
सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः सर्वदुष्टसंग्रामकोटिशतसहस्रेभ्यः

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟཱ་ནི་ཨ་ཀུ་ཤ་ལ་ཏཱ་ཡཱ

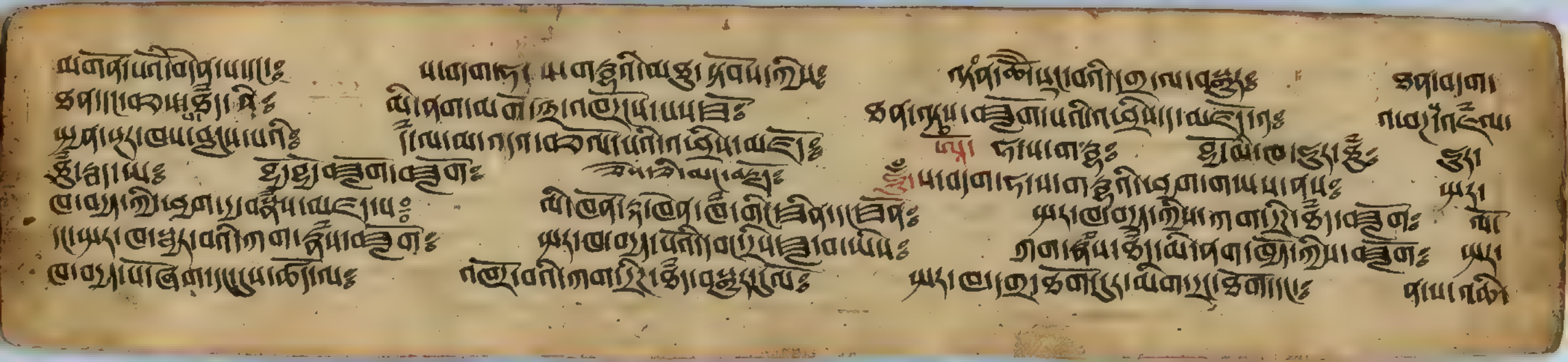

ॐ

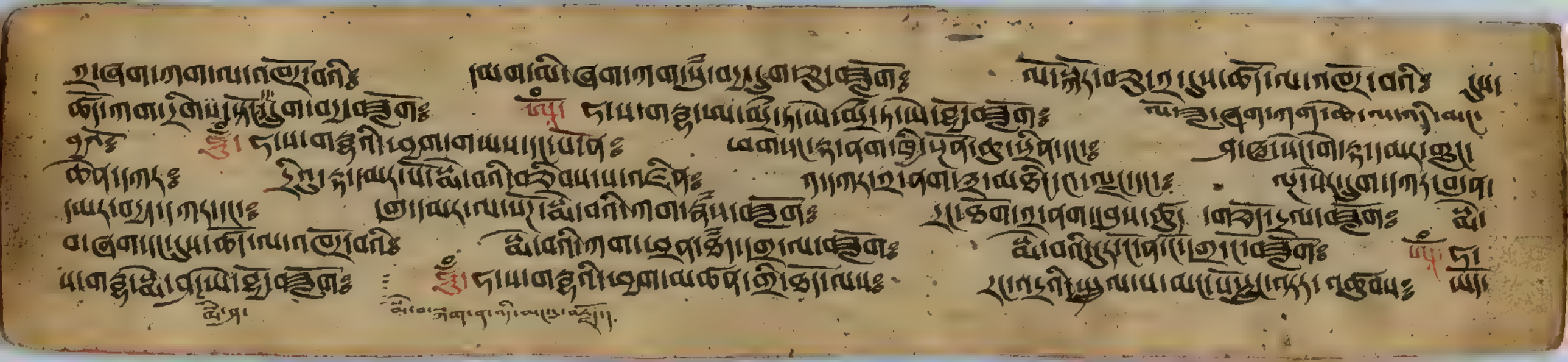

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ། དཱཡཱཡ། ཀཱཡཱཡ། ཀཱཡཱཡ། ཀ

ॐ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅན་གྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཞེས་བྱ་བ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅན་གྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྐུ་ཞེས་བྱ་བ་

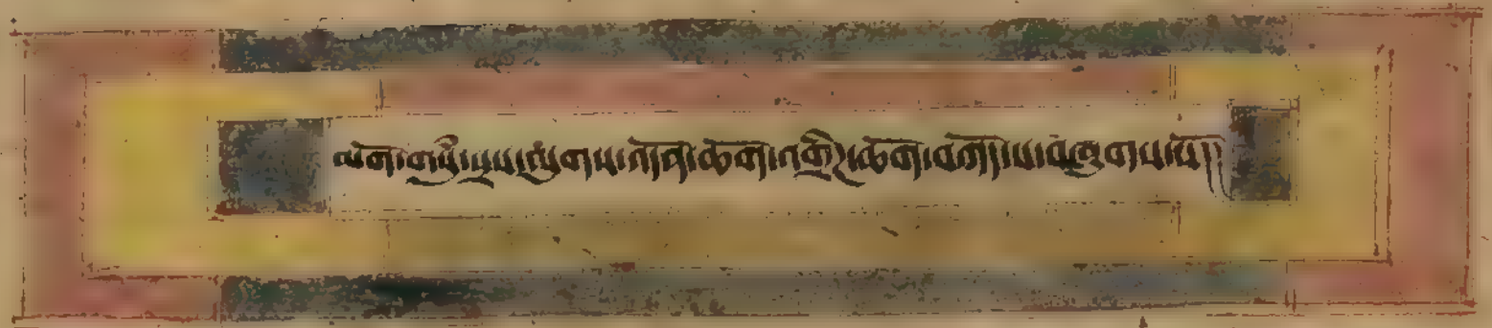

ཀཱཀཱ་ཀཱཀཱ་ཀཱཀཱ་

ॐ नमो भगवते त्रैलोक्यप्रतिक्षोभणाय महाबलपराक्रमाय महाबुद्धिविवर्धनाय महाविद्यासम्पदाकराय भक्तानुकम्पिताय सर्वार्थसाधनाय साधकाभीप्सितकराय सर्वसत्त्वप्रियंकराय सर्वप्रियवशंकराय सर्वसत्त्वसंजीवनाय सर्वव्याधिविनाशनाय सर्वग्रहनिवारणाय सर्वदुष्टप्रदुष्टसत्त्वनिबर्हणाय सर्वभयोपसर्गविनाशनाय सर्वदुःखदारिद्र्यविनाशनाय सर्वदुर्भिक्षदुःस्वप्नदुर्निमित्तदुर्मुहूर्तदुष्कृतविनाशनाय सर्वशत्रुसैन्यविद्रावणाय सर्वराजचौरपारदारिकभयविनाशनाय सर्वदुष्टग्रहभूतवेतालकूष्माण्डपिशाचयक्षराक्षसडाकिनीकाकिनीकामरूपिणीकामचारिणीकामदंष्ट्रिणीकामभक्षणीकामवर्णिनीकामदर्शनीकामाकर्षणीकामोन्मादनीकामस्तम्भनीकामजृम्भणीकामरतिकरीकामरूपकरीकामविद्वेषणीकामशोषणीकामविध्वंसनीकामसर्वकामसमृद्धिकरीकामसर्वकामसंजीवनीकामसर्वकामसंधारणीकामसर्वकामसंरक्षणीकामसर्वकामसंपूरणीकामसर्वकामसंदर्शनीकामसर्वकामसंतोषणीकामसर्वकामसंमोहनीकामसर्वकामसंवर्धनीकामसर्वकामसंवर्धनीकामसर्वकामसंवर्ध

ཤ་ཡི་ ཐོད་པ་ཁྲུས། ཐོད་ཁྲུས་པའི། ཐོད་ཁྲུས་ཏེ། བཤེས་པ་ལ་ཞེས། ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ།
ཤ་ལ་ལ་ཞེས་པ་ལ་ཧཱུྃ་ཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ལ་ལ་ལ་ཞེས་པ་ལ་ཨོཾ་ཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་
པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་
པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་
ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་
པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་
པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་
ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་
པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་པ་ཉིད་དེ། ཐོད་པ་ཁྲུས་ཏེ། ཐོད་ཁྲུས་པའི་ཐུགས་ཀར་ཟླ་བ་ཞེས་པ་ལ་ཨཱཿཞེས་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཡོད་

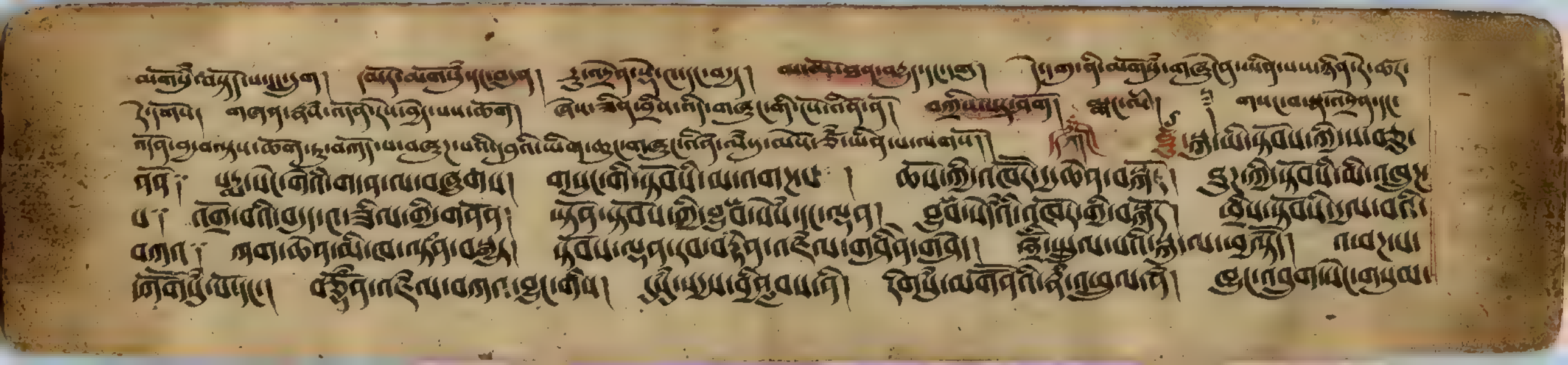

ཡང་ཁ་ཅིག་ན། ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ། ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་ཡང་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय वज्रपाणये महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा। - एष मन्त्रः सप्तवारान् जप्तः। ततो दक्षिणेन हस्तेन गृहीत्वा। सप्तवारान् मन्त्रेणाभिमन्त्र्य। तेनैव हस्तेन सर्वशरीरं परिमृज्य। ततो दक्षिणेन पार्श्वेन शयानस्य। वामपार्श्वं परिमृज्य। ततो वामेन पार्श्वेन शयानस्य। दक्षिणपार्श्वं परिमृज्य। ततो मुखं परिमृज्य। ततः शिरो मृज्य। ॐ नमो भगवते वज्रधराय वज्रपाणये महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा। एष मन्त्रः सप्तवारान् जप्तः। ततो वामेन हस्तेन गृहीत्वा। सप्तवारान् मन्त्रेणाभिमन्त्र्य। तेनैव हस्तेन सर्वशरीरं परिमृज्य। ततो दक्षिणेन पार्श्वेन शयानस्य। वामपार्श्वं परिमृज्य। ततो वामेन पार्श्वेन शयानस्य। दक्षिणपार्श्वं परिमृज्य। ततो मुखं परिमृज्य। ततः शिरो मृज्य। ॐ नमो भगवते वज्रधराय वज्रपाणये महायक्षसेनापतये हुं हुं फट् स्वाहा। एष मन्त्रः सप्तवारान् जप्तः।

ཡིན་ཏེ། ཁམས་གསུམ་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པའི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི

ঔষধিভেষজানাং ভেষজায়েত্যুক্তম্। বহ্নিভাস্করনিষ্কাশকায়েত্যুক্তম্। জ্যোতিষ্টোমপ্রাবর্ত্তিনে
নমঃ ইত্যুক্তম্। তাম্রোষ্ঠায়েত্যুক্তম্। কপর্দ্দিনে নমঃ ইত্যুক্তম্। ঊর্দ্ধরেতসে নমঃ ইত্যুক্তম্।
ঊর্দ্ধলিঙ্গায়েত্যুক্তম্। ঊর্দ্ধরেতোভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। হিরণ্যায় নমঃ ইত্যুক্তম্। হিরণ্যলিঙ্গায়েত্যুক্তম্।
হিরণ্যরেতসে নমঃ ইত্যুক্তম্। সহস্রায় নমঃ ইত্যুক্তম্। সহস্রাক্ষায় নমঃ ইত্যুক্তম্। সহস্রপদে নমঃ
ইত্যুক্তম্। কবচিনে নমঃ ইত্যুক্তম্। কবচায় নমঃ ইত্যুক্তম্। কবচিভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণে নমঃ
ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মজ্যেষ্ঠায় নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যদেবায় নমঃ ইত্যুক্তম্।
ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো
নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ
ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্। ব্রহ্মণ্যেভ্যো নমঃ ইত্যুক্তম্।

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོན་ཏན་ཡིན་ཏེ། ཡོན་ཏན་ཡིན་ན་ཡང་ཐོག་མེད་པ་ནས་ཀྱང་ཡོན་ཏན་ཡིན་ཏེ། ཐོག་མེད་པ་ནས་ཀྱང་

॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
महाकालरूपिणे ज्वलितमुकुटविकटजटाभारभासुराय वामपार्श्वोल्लसदेकजटाय
नागयज्ञोपवीतिने नागकुण्डलाय नागहारनागकेयूरकटकाय नागोत्तरासङ्गाय
नागाधिपतये नागराजाय नागेश्वराय नागकुलोद्वहाय नागकुलप्रतिष्ठिताय
नागकुलसमुद्भवाय नागकुलोत्पन्नाय नागकुलविभूषणाय नागकुलतिलकाय
नागकुलाभरणाय नागकुलप्रवीराय नागकुलनरेन्द्राय नागकुलमहेन्द्राय
नागकुलचन्द्राय नागकुलसूर्याय नागकुलाग्रजाय नागकुलप्रमथनाय
नागकुलोत्पातनाय नागकुलविद्रावणाय नागकुलविध्वंसनाय नागकुलविषहराय
नागकुलविषनिर्मथनाय नागकुलविषनिर्नाशनाय नागकुलविषप्रशमनाय
नागकुलविषनिर्दहनाय नागकुलविषसंहारणाय नागकुलविषविनाशनाय
नागकुलविषनिर्मूलनाय नागकुलविषनिर्हरणाय नागकुलविषनिर्घातनाय
नागकुलविषनिर्जीवनाय नागकुलविषनिर्वापणाय नागकुलविषनिर्वाहणाय
नागकुलविषनिर्वाहकाय नागकुलविषनिर्वाहणकराय नागकुलविषनिर्वाहणकरणाय
नागकुलविषनिर्वाहणकरणसमर्थाय नागकुलविषनिर्वाहणकरणसमर्थाय

ॐ वैनायकानां प्रथमं बलं यत्। मुनयो यान्तु [illegible] दीव्यन्ति यत्र। [illegible] मुनयो
यान्तु [illegible] दीव्यन्ति यत्र। वाद्यन्ति ये के [illegible] ॥ ॐ
ॐ [illegible] ॥ ॐ वैनायकानां [illegible] ॥ ॐ
नमो [illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ
वराहतुण्डेभ्यो नमः। [illegible] ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ
[illegible] ॥ ॐ

ॐ। ब्रह्मणस्पतये नमः। वनस्पतीनां वनस्पतिभ्यो वै। पुष्पाणां पुष्पेभ्यो वै। ओषधीनां ओषधिभ्यो वै।
फलिनीनां फलिनीभ्यो वै। हरिकेशेभ्यो हरिकेशेभ्यो वै। पुलस्तिभ्यो पुलस्तिभ्यो वै। नमो वाचे वाचस्पतये।
नमो वाचे वाचस्पतये

ॐ नमो सिद्धाणं आयरियाणं उवज्झायाणं लोए सव्वसाहूणं। एसो पंचनमोक्कारो सव्वपावप्पणासणो। मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं। वसुनंदिजइवाकिरणाओ। वसुनंदीनइरइवाकीवसु। पुरानंदीहेउहेउनंदीतु। तंवयमयाहोसीवयाणा। तुज्झ। यामावयुवसुयु। नंदीनंदीहेउनंदीणा। तुज्यमावयुमयुयाकेयात। नंदीनंदीयाचेरातसेयु। डीसुयमावयुवसुयु। हेउयनंदीकेरातसेयाय। सुआकेयातवयुवयाचेहेउंवय। यावाजुहुमाजुयाचयाचहेउंव। सुआकीयीवाहुंवाकेरायुयाय। हेउंवाहतंवय। कयुयातेवयाय। हेउंवायाचयुहेउंवो। सुआकीयहेउंवायूरायाय। नइहेरायंकीकायातेतु। सुयुंनंदीवाहुयावहेउंवा। सुआकीयायातवर। यायुयायुहेयाय। सीयावोयातवयातुवायाहुंहेरा। तयायवयायायूरायंकीयावहुंव। सीयावायंयायातेरायाय। तयायवयाहुंकीयाहा। हेरेयय। यंयीयुयातेहायूरायावहेउं। नंदीयंकीहेउयुयावहेउंवा। सुआकीयवहुंवायंयीयातेयव। ॐ नमो सिद्धाणं आयरियाणं उवज्झायाणं लोए सव्वसाहूणं।

ཐབ་ཀྱི་ཏེ་ཀུ་ཐ། དེ་ཡི་ཐབ་ཀྱི་ཏེ་ཀུ་ཐའི་ཐབ། གཡུ་ཀེ་ཀུ་ཐའི་ཐབ་ཀྱི་ཏེ་ཀུ་ཐའི་ཐབ། ཐབ་ཀྱི་ཏེ་ཀུ་ཐའི་ཐབ་ཀྱི་ཏེ་ཀུ་ཐའི་ཐབ། ཀཀེ་ཐབ་ཀྱི་ཏེ་ཀུ་ཐའི

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྨོན་ལམ། ། ཨཱརྱ་བྷ་དྲ་ཙ་རྱཱ་པྲ་ཎི་དྷཱ་ན། ཨོཾ། སུ་བྷ་ཏྲ་ཙ་རྱཱ་པྲ་ཎི་དྷཱ་ན་ཨ་ཧཱ་ཡ་ཏ་ཐཱ་ག་ཏཱ་ན་ཱཾ་ཨ་རྷ་ཏཱཾ་སམ་ཡ་ཀ་སཾ་བུ་དྡྷཱ་ན་ཱཾ། ཏ་དྱ་ཐཱ། ཨོཾ་སརྦ་ཏ་ཐཱ་ག་ཏ་བོ་དྷི་སཏྭ་ཙ་རྱཱ་པྲ་ཎི་དྷཱ་ན་ཨ་ཧཱ་ཡ་ཏ་ཐཱ་ག་ཏཱ་ན་ཱཾ་ཨ་རྷ་ཏཱཾ་སམ་ཡ་ཀ་སཾ་བུ་དྡྷཱ་ན་ཱཾ། ཨཱ་ཡུ་ཥྨཱན་ཀུ་མཱ་ར་ཨ་ཧཾ་ཨ་མུ་ཀཾ་ཨ་ཧ

ཐབས་ཀྱི་ཚིག་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱིས་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས།
ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས།
ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས།
ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས།
ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས། ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཐབས།

ङ्ग्वाया। नङ्ग्वात्वाया।त्वाङ्ग्वात्वाङ्ग्वात्वाङ्ग्वात्वङ्ग्वात्वाङ्ग्वात्वाङ्ग्वात्वा

ॐ

[illegible] ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकालरूपिणे त्रिपुरान्तकाय त्रिशूलडमरुकपालखट्वाङ्गधराय

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་། ཐུགས་རྗེ་ཆེན

ଦିଗନାକେବ୍ୟାପୀଥିବ। ଅନ୍ୟାନ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ନୃତ୍ୟାବସ୍ଥାଥିବାଦ୍ୱାରାବସ୍ଥିବ। ସାଧୁଦ୍ୟାଦ୍ୱିବନିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ।
ଅନ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୟାପାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ। ଦ୍ୱାନ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ଦ୍ୱିନାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଅନ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ। ଦ୍ୱିବ।
ଦ୍ୱିବାଦ୍ୟାନିଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ନୃତ୍ୟାନ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ଦ୍ୱିନାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଅନ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ।
ଦ୍ୱିଦ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଦ୍ୱିପାନ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ଦ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ। ଦ୍ୱାବଦ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ।
ଅନ୍ୟାନ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ପାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଅନ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ।
ଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ। ଦ୍ୱିନାଦ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ନୃତ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଅନ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ।
ପାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ। ଦ୍ୱାଦ୍ୟାନ୍ୟାପାଥି ଦ୍ୱିପାଦ୍ଧାଥି ଦ୍ୟାନ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବସ୍ଥିବ। ଦ୍ୱିବାଦ୍ୟାଦ୍ୱିଦ୍ୟାଦ୍ୱିଥିବ।

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रपाणये वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे वज्रशृंखले
महावज्रयक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रपाणये
वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे वज्रशृंखले महावज्रयक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रपाणये वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे
वज्रशृंखले महावज्रयक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय
वज्रपाणये वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे वज्रशृंखले महावज्रयक्षसेनापतये हुं हुं
फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रपाणये वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
महाप्रतिसरे वज्रशृंखले महावज्रयक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रकुमाराय वज्रपाणये वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे वज्रशृंखले महावज्रयक्ष
सेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय वज्रपाणये वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे वज्रशृंखले महावज्रयक्षसेनापतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

ཀུ་ཀེ་པ་ རི་ར་ཀི་པ་ཝ་ནི་ཧ་ཧ་ཡ་ཡ། ཡུ་ཀྲི་ཀུ་ཤ་ཀི་ཏི་ཝ་ཡ། ཀུ་ཤ་ཝ་ཝ་ཤུ་ཤ་ཝ་ནི་ཏ། ཝ་ནི་ཏ་ཝ་ཀ་ཏ་ཀུ་ཤ་ཝ་ནུ། རི་
ཏ་ཝ་ཝ་ཏ་ཏི་ཧ་ཤ་ཡ་ཡ། ཝ་ཤུ་ཤ་ཡ་ཏ་ཏི་ཧ་ཤ་ཡ་ཡ། ཤ་ཤ་ཏ་ཤུ་ཤ་ཝ་ཤུ་ཤ་ཝ་ནི་ཏི། ཀེ་ཀེ་པ་ རི་ར་ཀི་པ་ཝ་ནི་ཧ་ཧ་ཡ། ཡུ་ཤ་
ཀུ་ཝ་ཏི་ཏི་ཤ་ཡ་ཤ་ཡ། ཀུ་ཤ་ཝ་ཝ་ཤུ་ཤ་ཝ་ནི་ཏ། ཏི་ཝ་ནི་ཏ་ཝ་ཀ་ཏ་ཀུ་ཤ་ཝ་ནུ། རི་ཏ་ཝ་ཝ་ཏ་ཏི་ཧ་ཤ་ཡ་ཡ། ཝ་ཤུ་ཤ་ཏི་ཏི་
ཤ་ཝ་ཡ་ཡ། ཤྲི་ཤ་ཤ་ཝ་ཏི་ཀ་ཤ་ཏ་ཝ་ཤུ་ཤ། ཀེ་ཀེ་པ་ རི་ར་ཀི་པ་ཝ་ནི་ཧ་ཧ་ཡ། ཡུ་ཤ་ཏྲི་ཏི་ཀི་ཏ་ཤ་ཡ། ཏྲི་ཤ་ཤ་ཝ་ཤ་ཝ་ནི་
ཡུ་ཀི་ཏ་ཡ། ཡུ་ཀི་ཏ་ཝ་ཀ་ཏ་ཀུ་ཤ་ཝ་ནུ། རི་ཏ་ཝ་ཝ་ཏ་ཏི་ཧ་ཤ་ཡ་ཡ། ཝ་ཤུ་ཤ་ཏུ་ཏུ་ཤ་ཡ་ཡ། དེ་ཝི་ཤ་ཏི་ཝ་ཤུ་ཤ་ཡུ་ཏ།
ཀེ་ཀེ་པ་ རི་ར་ཀི་པ་ཝ་ནི་ཧ་ཧ་ཡ། དེ་ཝི་ཝ་ཤུ་ཤ་ཀུ་ཤ་ཡི་ཏ། ཏུ་ཤ་ཝ་ཡི་ཤ་ཝ་ནི་ཏུ་ཤ་ཝ། ཤ་ཤ་ཏ་ཤུ་ཤ་ཝ་ཏི་ཀ་ཤ་ཏ་ཝ། ཏུ་
ཏུ་ཤ་ཀུ་ཤ་ཝ་ཏི་ཀ་ཤ་ཏ་ཝ་ཤུ་ཤ། ཝ་ཤུ་ཤ་ཝ་ཤུ་ཤ་ཝ་ཏུ་ཏུ་ཤ་ཝ། ... ཤ་ཏི་ཏི་ཀུ་ཤ་ཝ་ཤ་ཝ་ནི་ཏི། ཝ་ཏ་ཀ་ཏ་ཤ་ཝ་ཏི་ཀ་ཤ་ཏ་ཝ་ཤུ་ཤ། །

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायवज्रशरीरसंघातनाय
महारौद्रनादसमुदीरितेन महाहसितेन त्रैलोक्यमुत्त्रासयन्तं भीषयन्तं कम्पयन्तं सर्वयक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचान्
उन्मादयन्तं सर्वविद्याश्छेदयन्तं भिन्दन्तं सर्वदुष्टग्रहान् विद्रावयन्तं सर्वदुष्टचित्तं विध्वंसयन्तं
सर्वदुष्टसत्त्वान् संत्रासयन्तं सर्वदुष्टव्याधीन् प्रशमयन्तं सर्वदुष्टोपद्रवान् विनाशयन्तं
सर्वदुष्टविषाणि संहरन्तं सर्वदुष्टशस्त्राणि स्तम्भयन्तं सर्वदुष्टाग्नीन् विध्यापयन्तं
सर्वदुष्टोदकान् शोषयन्तं सर्वदुष्टवातान् प्रतिहन्तं सर्वदुष्टवृष्टीः प्रतिबन्धयन्तं
सर्वदुष्टदुर्भिक्षान् प्रशमयन्तं सर्वदुष्टराजभयानि विनाशयन्तं सर्वदुष्टचौरभयानि
विद्रावयन्तं सर्वदुष्टपरचक्रभयानि प्रतिहन्तं सर्वदुष्टारिभयानि विनाशयन्तं
सर्वदुष्टवैरिभयानि प्रशमयन्तं सर्वदुष्टकलिकलहविवादान् विनाशयन्तं
सर्वदुष्टदुर्निमित्तानि प्रतिहन्तं सर्वदुष्टदुःस्वप्नान् विनाशयन्तं सर्वदुष्टग्रहपीडाः
प्रशमयन्तं सर्वदुष्टग्रहनक्षत्रपीडाः प्रशमयन्तं सर्वदुष्टग्रहनक्षत्रपीडाः प्रशमयन्तं

ॐ नमो भगवते वज्रधराय वज्रकोपाय वज्रमुष्टये वज्रदंष्ट्राय वज्रनखाय वज्रदण्डाय
वज्रतुण्डाय वज्रजिह्वाय वज्रतीक्ष्णदंष्ट्राय वज्रायुधाय वज्रसंदंशाय वज्रहासाय
महाट्टहासाय वज्रभैरवरूपाय वज्रसंहारकाय वज्रशरीराय वज्रज्वालामालिने
वज्रज्वालाकेशाय वज्रज्वालोदराय वज्रोल्कासहस्रप्रज्वलिताय वज्रविस्फुलिंगाक्षाय
वज्रविद्युत्पिंगलाय वज्रसंवर्तकालानलसदृशाय वज्रप्रचण्डाय वज्रोग्राय वज्रवीराय
वज्रविजृंभिताय वज्रभयानकाय महाभयानकाय वज्रभीषणाय भीषयते सर्वभूतानां
वज्रमहाकालाय कालरात्रिनृत्यप्रियाय वज्रभैरवाय नमो नमः स्वाहा ॥ ॐ वज्रभैरवाय
हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रभैरवाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रभैरवाय हुं फट् स्वाहा ॥

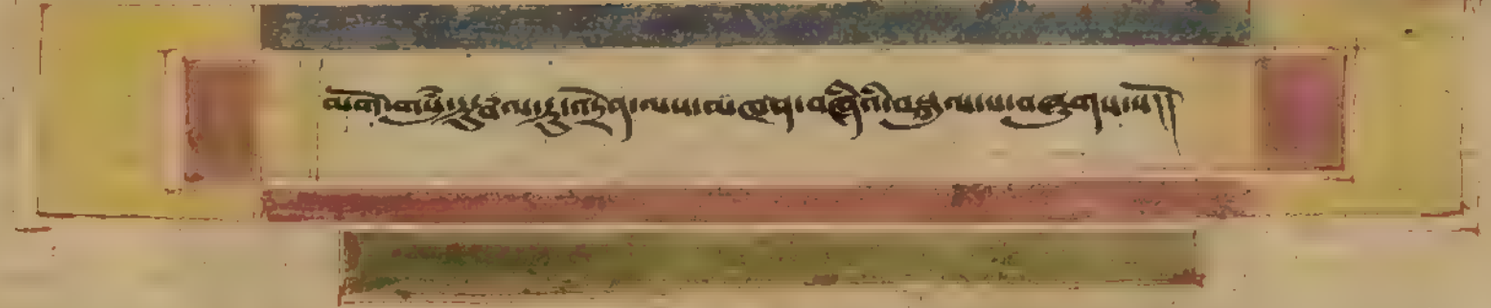

[illegible] ॐ [illegible]

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ वाग्देवीं गुरुवाणीं च गुरुं गीर्वाणवन्दितम् । नत्वा गणेशगानाभ्यां वक्ष्ये
गणितसारकम् ॥ १ ॥ अथ गणितसारकं नाम ॥ तत्र मङ्गलाचरणम् ॥ श्रीमत्पद्मासनं पद्मं पद्मिनीपतिसेवितम् ।
पद्मनाभं नमस्कृत्य पद्मजं पद्मसम्भवम् ॥ २ ॥ अथ परिभाषा ॥ स्थानं संज्ञा परिकर्म व्यवहारो रज्जुराशयः ।
कलासवर्णो प्रकृतिर्भागजातिस्त्रैराशिकम् ॥ ३ ॥ व्यस्तं पञ्चविधं मिश्रं श्रेढी क्षेत्रं खातं चितिः ।
क्रकचो राशयो छाया सङ्क्रमः ॥ ४ ॥ अथ स्थानम् ॥ एकं दशं शतं सहस्रं दशसहस्रं लक्षं दशलक्षं कोटिः
दशकोटिः शतकोटिः अर्बुदं न्यर्बुदं खर्वं महाखर्वं पद्मं महापद्मं क्षोणी महाक्षोणी शङ्खः महाशङ्खः क्षितिः
महाक्षितिः क्षोभः महाक्षोभः चयः महाचयः ॥ ५ ॥ अथ संज्ञा ॥ व्यवहारः १ रज्जुः २ राशिः ३ कलासवर्णः ४
प्रकृतिः ५ भागजातिः ६ त्रैराशिकं ७ व्यस्तं ८ पञ्चविधं ९ मिश्रं १० श्रेढी ११ क्षेत्रं १२ खातं १३ चितिः १४
क्रकचः १५ राशयः १६ छाया १७ सङ्क्रमः १८ ॥ ६ ॥ अथ परिकर्म ॥ तत्र संकलितं व्यवकलितं गुणनं भागः
वर्गः वर्गमूलं घनः घनमूलं ॥ ७ ॥ अथ संकलितम् ॥ तत्र द्वयोः संकलितं यथा ॥ ३ । ५ । अत्र ३ मध्ये ५ संयोजिते
८ जाताः ॥ ८ ॥ अथ व्यवकलितम् ॥ तत्र द्वयोः व्यवकलितं यथा ॥ ५ । ३ । अत्र ५ मध्ये ३ वियोजिते २ शेषाः ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवत्यै आर्यप्रज्ञापारमितायै ॥

ॐ नमो भगवत्यै आर्यतारायै। ॐ तारे तुत्तारे तुरे स्वाहा। इमां विद्यां जपेत्सप्तवारान्। ततः सप्तवारान्
अभिमन्त्रितं जलं गृहीत्वा। तेन जलेन सप्तवारान्। आत्मानं प्रोक्षयेत्। ततः सर्वे विघ्नाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे ग्रहाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे रोगाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे ज्वराः प्रशाम्यन्ति। सर्वे शत्रवः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे दुष्टाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे चौराः प्रशाम्यन्ति। सर्वे राजानः प्रशाम्यन्ति। सर्वे व्यालाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे सर्पाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे वृश्चिकाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे मूषकाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे कीटाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे पतङ्गाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे मक्षिकाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे मशकाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे यूकाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे लिक्षाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे उपद्रवाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे उत्पाताः प्रशाम्यन्ति। सर्वे अपशकुनाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे दुःस्वप्नाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दुर्निमित्ताः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दुर्लक्षणाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दुर्भिक्षाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे महामारीभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे अग्निभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे उदकभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे वातभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे पर्वतभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे वृक्षभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे वज्रभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे अशनिभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे उल्काभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दिग्दाहभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे भूमिकम्पभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे राजभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे चौरभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे शत्रुभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे व्यालभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे सर्पभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे वृश्चिकभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे मूषकभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे कीटभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे पतङ्गभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे मक्षिकाभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे मशकभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे यूकाभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे लिक्षाभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे उपद्रवभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे उत्पातभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे अपशकुनभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दुःस्वप्नभयाः प्रशाम्यन्ति।
सर्वे दुर्निमित्तभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दुर्लक्षणभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे दुर्भिक्षभयाः प्रशाम्यन्ति। सर्वे महामारीभयाः प्रशाम्यन्ति।

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཐུན་མོང་གི་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཚུལ་ལས་ཀྱང་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཡིན་ཏེ།

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि सर्वभूतोपद्रवान्
सर्वसत्त्वोपद्रवान् सर्वव्याधिभयेभ्यः सर्वशत्रुभयेभ्यः सर्वराजभयेभ्यः सर्वचोरभयेभ्यः सर्वाग्निभयेभ्यः
सर्वोदकभयेभ्यः सर्वविषभयेभ्यः सर्वदुष्टग्रहभयेभ्यः सर्वदुष्टनक्षत्रभयेभ्यः सर्वदुष्टमनुष्यभयेभ्यः
सर्वदुष्टामनुष्यभयेभ्यः सर्वदुष्टश्वापदभयेभ्यः सर्वदुष्टसरीसृपभयेभ्यः सर्वदुष्टजृम्भकभयेभ्यः
सर्वदुष्टप्रेतपिशाचभयेभ्यः सर्वदुष्टकुष्माण्डभयेभ्यः सर्वदुष्टोन्मादभयेभ्यः सर्वदुष्टापस्मारभयेभ्यः
सर्वदुष्टकुम्भाण्डभयेभ्यः सर्वदुष्टकटपूतनभयेभ्यः सर्वदुष्टशीतज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टविषमज्वरभयेभ्यः
सर्वदुष्टैकाहिकज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टद्व्याहिकज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टत्र्याहिकज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टचातुर्थिकज्वरभयेभ्यः
सर्वदुष्टसन्ततिज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टसततज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टविषमज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टशीतज्वरभयेभ्यः
सर्वदुष्टोष्णज्वरभयेभ्यः सर्वदुष्टशिरोरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टकर्णरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टनेत्ररोगभयेभ्यः
सर्वदुष्टमुखरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टदन्तरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टकण्ठरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टहृद्रोगभयेभ्यः
सर्वदुष्टोदररोगभयेभ्यः सर्वदुष्टपार्श्वरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टपृष्ठरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टकटिरोगभयेभ्यः
सर्वदुष्टगुह्यरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टवस्तिरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टमेढ्ररोगभयेभ्यः सर्वदुष्टवृषणरोगभयेभ्यः
सर्वदुष्टजानुरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टजङ्घारोगभयेभ्यः सर्वदुष्टगुल्फरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टपादरोगभयेभ्यः
सर्वदुष्टसर्वाङ्गप्रत्यङ्गरोगभयेभ्यः सर्वदुष्टविसर्पभयेभ्यः सर्वदुष्टविद्रधिभयेभ्यः सर्वदुष्टपिडकाभयेभ्यः
सर्वदुष्टव्रणभयेभ्यः सर्वदुष्टकुष्ठभयेभ्यः सर्वदुष्टगण्डमालाभयेभ्यः सर्वदुष्टश्लीपदभयेभ्यः
सर्वदुष्टापचीभयेभ्यः सर्वदुष्टदद्रुभयेभ्यः सर्वदुष्टकच्छूभयेभ्यः सर्वदुष्टपामाभयेभ्यः
सर्वदुष्टकिटिभयेभ्यः सर्वदुष्टपित्तभयेभ्यः सर्वदुष्टश्लेष्मभयेभ्यः सर्वदुष्टसन्निपातभयेभ्यः
सर्वदुष्टशस्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टविषभयेभ्यः सर्वदुष्टाभिचारभयेभ्यः सर्वदुष्टकृत्याभयेभ्यः
सर्वदुष्टकृत्रिमभयेभ्यः सर्वदुष्टविद्याभयेभ्यः सर्वदुष्टमन्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टयन्त्रभयेभ्यः
सर्वदुष्टतन्त्रभयेभ्यः सर्वदुष्टपत्रभयेभ्यः सर्वदुष्टपुष्पभयेभ्यः सर्वदुष्टफलभयेभ्यः
सर्वदुष्टबीजभयेभ्यः सर्वदुष्टगन्धभयेभ्यः सर्वदुष्टरसभयेभ्यः सर्वदुष्टस्पर्शभयेभ्यः
सर्वदुष्टशब्दभयेभ्यः सर्वदुष्टरूपभयेभ्यः सर्वदुष्टचक्षुर्भयेभ्यः सर्वदुष्टश्रोत्रभयेभ्यः
सर्वदुष्टघ्राणभयेभ्यः सर्वदुष्टजिह्वाभयेभ्यः सर्वदुष्टकायभयेभ्यः सर्वदुष्टमनोभयेभ्यः
सर्वदुष्टरागभयेभ्यः सर्वदुष्टद्वेषभयेभ्यः सर्वदुष्टमोहभयेभ्यः सर्वदुष्टमानभयेभ्यः
सर्वदुष्टमदभयेभ्यः सर्वदुष्टमात्सर्यभयेभ्यः सर्वदुष्टेर्ष्याभयेभ्यः सर्वदुष्टासूयाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविचिकित्साभयेभ्यः सर्वदुष्टकौक्कृत्यभयेभ्यः सर्वदुष्टस्त्यानभयेभ्यः सर्वदुष्टमिद्धभयेभ्यः
सर्वदुष्टौद्धत्यभयेभ्यः सर्वदुष्टाह्रीकभयेभ्यः सर्वदुष्टानपत्राप्यभयेभ्यः सर्वदुष्टक्रोधभयेभ्यः
सर्वदुष्टोपनाहभयेभ्यः सर्वदुष्टप्रदाशभयेभ्यः सर्वदुष्टमक्षभयेभ्यः सर्वदुष्टपलाशभयेभ्यः
सर्वदुष्टमायाभयेभ्यः सर्वदुष्टशाठ्यभयेभ्यः सर्वदुष्टमदभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः
सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहेठाभयेभ्यः सर्वदुष्टविहिंसाभयेभ्यः

॥ ३७ ॥ तमाप्तैरीक्षितं वीक्ष्य वीरमाहूय भारतः ॥ प्रीतिवरान्यानतमाधावेत्॥ वयमाहुर्वनाभ्यावालिवम्॥ वयमाहुः
प्रीतिमुपमाहुः॥ तत्रोपहरणमाहुरालिवम्॥ सूनाहीत्रमाहीमाहुरालिवम्॥ पूमाहीमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ध्रुवमाहुर्वनाधाहीमाहुरालिवम्॥
हीलिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ऽनाशैन्यानवनाधाहुनाधालिवम्॥ नूनालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ऽहानाधूंवरुनाधावेत्॥ क्षुहीवनाक्षुवालिवम्॥
हीन्यानावेत्यहुहीधाम॥ धाहीवनाधाक्षुन्यालिवम्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ हीन्यानावेत्यहुहीधाम॥
वक्तव्यमहीक्षेधाहुनाधालिवम्॥ ॥ वयमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ॥
हुनाहुरान्यानुहुवेत्॥ नत्रेरालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ पूमाहीमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ॥
हीलिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ऽनाशैन्यानवनाधाहुनाधालिवम्॥ नूनालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ऽहानाधूंवरुनाधावेत्॥ क्षुहीवनाक्षुवालिवम्॥
हीन्यानावेत्यहुहीधाम॥ धाहीवनाधाक्षुन्यालिवम्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ ध्रुवालिवमाहुरान्यानुहुवेत्॥ हीन्यानावेत्यहुहीधाम॥

ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཇི་ལྟར་ཡིན་ཞེས་ཟེར་ན། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཐུན་མོང་ལས་འདས་པ་ཡིན་ཏེ

नमोऽवलोकितेश्वराय बोधिसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय। तद्यथा ओं अवलोकने लोकातिक्रान्ते स्वाहा। ओं अवलोकने लोकातिक्रान्ते स्वाहा। ओं अवलोकने लोकातिक्रान्ते स्वाहा। ओं लोकेश्वराय स्वाहा। ओं धरणीधराय स्वाहा। ओं पद्महस्ताय स्वाहा। ओं मणिधराय स्वाहा। ओं पद्मनर्तेश्वराय स्वाहा। ओं पद्मजटामुकुटाय स्वाहा। ओं वज्रोदराय महाबलाय स्वाहा। ओं पद्मान्तकाय स्वाहा। ओं पद्मविनाशाय स्वाहा। ओं पद्मकुलसम्भवाय स्वाहा। ओं पद्मवज्रसम्भवाय स्वाहा। ओं पद्मवज्रसम्भवाय स्वाहा। ओं पद्मवज्र

ཡི་ དམ་ གྱི་ ཏིང་ ངེ་ འཛིན་ ཏུ་ ཞུགས་ ཏེ་ ཡི་ གེ་ ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཞེས་ བྱ་ བ་ ལས་ ཐུགས་ ཀྱི་ ཀུན་ ཏུ་ བཟང་ པོ་

॥ ओं नमो भगवते वज्रधराय वज्रपाणये हुं फट् स्वाहा 

वीतरागाय। श्रीवासुपूज्याय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। वासुपूज्याय। नमः।
ॐ वीतरागाय। श्रीविमलनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। विमलनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीअनन्तनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। अनन्तनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीधर्मनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। धर्मनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीशान्तिनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। शान्तिनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीकुन्थुनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। कुन्थुनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीअरनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। अरनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीमल्लिनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। मल्लिनाथाय। नमः।
वीतरागाय। श्रीमुनिसुव्रतनाथाय। कल्याणपञ्चकप्राप्ताय। नमोनमः। वीतरागाय। मुनिसुव्रतनाथाय। नमः।

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये धनदाय स्वाहा ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये
धनदाय स्वाहा ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये धनदाय स्वाहा ॐ नमो भगवते
वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये धनदाय स्वाहा ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये धनदाय
स्वाहा ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये धनदाय स्वाहा ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय
यक्षाधिपतये धनदाय स्वाहा ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय यक्षाधिपतये धनदाय स्वाहा ॐ नमो

ज्ञानवज्रवाराहीं वन्दे ॥ प्रथमावरणाग्नेयदिक्स्थितां ॥ वज्रडाकिनीं वन्दे ॥ द्वितीयावरणनैर्ऋत्यां स्थितां
डाकिनीं वन्दे ॥ तृतीयावरणवायव्यस्थितां ॥ वज्रयोगिनीं वन्दे ॥ चतुर्थावरणैशान्यां स्थितां ॥ वज्रवाराहीं
वन्दे ॥ पञ्चमावरणपूर्वस्थितां ॥ वज्रसूकरीं वन्दे ॥ षष्ठावरणदक्षिणस्थितां ॥ वज्रश्वानीं वन्दे ॥
सप्तमावरणपश्चिमस्थितां ॥ वज्रकाकीं वन्दे ॥ अष्टमावरणोत्तरस्थितां ॥ वज्रोलूकीं वन्दे ॥ नवमावरण
मध्यस्थितां ॥ वज्रशूकरीं वन्दे ॥ एवं नवावरणदेवीः ॥ ततो बाह्यप्रदक्षिणक्रमेण ॥ पूर्वादिदिक्षु
क्रमात् ॥ कौमार्यादिमातृकाः ॥ तत्रापि पूर्वादिदिक्षु ॥ ब्राह्मी माहेश्वरी कौमारी वैष्णवी वाराही
माहेन्द्री चामुण्डा महालक्ष्मीश्च ॥ एवं दशदिक्पालाः ॥ इन्द्राग्नियमनैर्ऋतवरुणवायुकुबेरेशानब्रह्मा
नन्तान् ॥ एवं सर्वे ॥ अस्मदीयसकलाभीष्टसिद्धिं कुर्वन्तु ॥ ॐ
श्रीपादुकां पूजयामि नमः ॥ ॐ

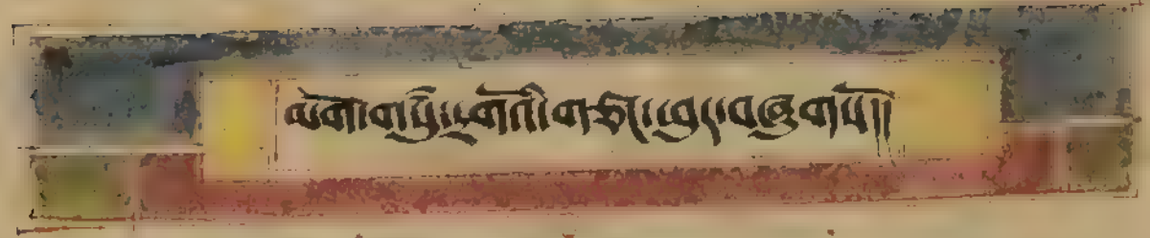

ॐ नमो भगवते कालिकायै महाविद्यायै हिलि हिलि भगवति कालिके मम सर्वकार्याणि साधय साधय
हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते कालिकायै महाविद्यायै हिलि हिलि भगवति कालिके मम सर्वकार्याणि
साधय साधय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते कालिकायै महाविद्यायै हिलि हिलि भगवति कालिके
मम सर्वकार्याणि साधय साधय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते कालिकायै महाविद्यायै हिलि हिलि
भगवति कालिके मम सर्वकार्याणि साधय साधय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते कालिकायै
महाविद्यायै हिलि हिलि भगवति कालिके मम सर्वकार्याणि साधय साधय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते कालिकायै महाविद्यायै हिलि हिलि भगवति कालिके मम सर्वकार्याणि साधय साधय हुं फट्

ईश्वरावतीले। पुत्रावधिनाकीले। वीरावधिनाकीकेन। व्याकीस्किनावर्तिनाढावीवायुन। धीधारणानाधानाधारः
प्रयुक्तानुप्रयुक्तवनाकीकाकानुन्। ज्ञानेन्द्रियेकुनानर्तन्। व्याकीस्किनायुक्तनावर्तिनाढानुनानहि। नवीनेश्वरावधीले।
पुत्रावधिनाकी। वीरावधिनाकीकेन। व्याकीस्किनावर्तिनाकेश्वरावेन्। धीधारणानाधानाधारः प्रयुक्तानुप्रयुक्तवनाकी
केश्वरावायुन्। ज्ञानेन्द्रियेकुनानर्तन्। व्याकीस्किनायुक्तनानानानाहि। ईश्वरावतीवधीले। पुत्रावधिनाकीवायुन्।
वीरावधिनाकीकेन। व्याकीस्किनावायुनावर्तिनाकेश्वरावेन्। धीधारणानाधानाधारः प्रयुक्तानुप्रयुक्तवनाकीकाकानुन्।
ज्ञानेन्द्रियेकुनानर्तन्। व्याकीस्किनावेश्वरीनाढुनावाकेश्वरेन्। पुत्रावधिनाकीढानाश्वरेन्। वीरावधिनाकीकेन। व्या
कीस्किनावर्तिनाढानुनावायुनावुन। धीधारणानाधानाधारः प्रयुक्तानुप्रयुक्तवनाकीवीरावनावेन। ज्ञानेन्द्रियेकुना।

ग्रावाणेशीनावाहु ग्रावाग्रावेशीग्रावावेव। ह्वेनीनावाशीनेह्वेकावाग्रावानी। हेग्रावाग्रावाग्रावाशीनावाग्रावेव।
हेग्रेवावाहुहेग्रावाग्रावेकाहु ग्रावाहुशीग्रावाग्रावाग्रावेव। वीवावङ्ग्रावीनेग्रेवावेङ्ग। ग्रेग्रावाग्रावाग्रावा
वावेङ्गवाग्रेव। ग्रेग्रावीवीवावाग्रेवावेङ्ग। वेङ्गवाग्रावाग्रेवावाग्रावाग्रेव। ग्रेग्रावाग्रावाग्रावा
कवावावाग्रावाग्रावेव। वीवावङ्ग्रावीनेग्रेवावेङ्ग। ग्रेग्रावाग्रावाग्रावावावेङ्ग। ग्रेग्रावीवीवावाग्रेवावेङ्ग। वेङ्गवावङ्ग्रावेवाग्रेव
ग्रेग्रावावाग्रेव। हेग्रावावाहुहेग्रावाग्रावाग्रावेव। ग्रेग्रावाग्रावाग्रावेकावाग्रावाग्रावेव। वीवावङ्ग्रावीनेग्रेवावेङ्ग। ग्रेग्रावा
ग्रावाग्रावावावेङ्ग। ग्रेग्रावीवीवावाग्रेवावेङ्ग। वेङ्गवावङ्ग्रावेवाग्रेव। हेग्रावावाहुहेग्रावाग्रावाग्रावेव। ग्रेग्रावा
ग्रेग्रावाग्रावेकावाग्रावाग्रावेव। वीवावङ्ग्रावीनेग्रेवावेङ्ग। ग्रेग्रावाग्रावाग्रावावावेङ्ग। ग्रेग्रावीवीवावाग्रेवावेङ्ग।

ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥
ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्रवज्रमहाभैरवीवज्रे हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

ཐབས་རྒྱུ་ཁོ་ནའི་ཕྱིར་རོ། ། ཞེས་བཤད་པ་ལྟ་བུའོ། ། དེ་ལྟ་བུའི་ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པའི་ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཞེ་ན། ཡང་དག་པའི་ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ནི་ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ནི་ཡང་དག་པའི་ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐབས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ

ཡབ་ཡབ་ཡིད་ཀྱིས་ནམ་མཁའི་ཡབ་ཡབ་ནས། ཡིད་ཀྱི་ནང་ནས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡབ་ཡབ་བཞུགས་ཏེ། རང་བཞིན་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡབ་ཡབ་བཞུགས་ཏེ། ཡབ་ཡབ་ཡུམ་ཡུམ་ལ

ॐ नमो भगवते अमितायुषे तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॐ अमृते अमृतोद्भवे अमृतसंभवे अमृतगामिनि अमृतगर्भे अमृतसिद्धे अमृतविक्रान्तगामिनि अमृतविक्रान्ते अमृतविक्रान्तवाहने सर्वकर्मक्षयकरि सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते मां रक्ष रक्ष सर्वसत्त्वानां च स्वाहा

ཨོཾ་ཏཱ་རེ་ཏུ་ཏྟཱ་རེ་ཏུ་རེ་སྭཱ་ཧཱ།

ཐོག་ཏུ་ཡང་ཐུག་པ་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། །

ཐུགས་རྗེའི་ཚལ་བཞེངས་ཕྱག་བཀའ་ཆེ་བ། ཀུན་ཁྱེན་ཆོས་རྒྱལ་བསྟན་པའི་ཉི་མ། རྒྱལ་དབང་འཇིགས་མེད་ཆོས་ཀྱི་དབང་པོ།

ನಿಮ್ಮಲ್ಲಿ ಯಾರಾದರೂ ಅವಳ ಮೇಲೆ ಕಲ್ಲೆಸೆಯಲಿ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ॐ नमो भगवते। श्रीआदिनाथाय नमः। श्रीअजितनाथाय नमः। श्रीसंभवनाथाय नमः। श्रीअभिनंदननाथाय नमः। श्रीसुमतिनाथाय नमः। श्रीपद्मप्रभस्वामिने नमः। श्रीसुपार्श्वनाथाय नमः। श्रीचंद्रप्रभस्वामिने नमः। श्रीसुविधिनाथाय नमः। श्रीशीतलनाथाय नमः। श्रीश्रेयांसनाथाय नमः। श्रीवासुपूज्यस्वामिने नमः। श्रीविमलनाथाय नमः। श्रीअनंतनाथाय नमः। श्रीधर्मनाथाय नमः। श्रीशांतिनाथाय नमः। श्रीकुंथुनाथाय नमः। श्रीअरनाथाय नमः। श्रीमल्लिनाथाय नमः। श्रीमुनिसुव्रतस्वामिने नमः। श्रीनमिनाथाय नमः। श्रीनेमिनाथाय नमः। श्रीपार्श्वनाथाय नमः। श्रीवर्द्धमानस्वामिने नमः। एते चतुर्विंशतितीर्थंकराः सिद्धाः सिद्धिं मम दिशंतु। ॐ नमो भगवते श्रीआदिनाथाय नमः। भगवन्नाभेयजिनेश्वरोत्तमाः। शिवंगतो यो भरतेश्वरः प्रभुः। जगत्प्रसिद्धो बाहुबलिः पराक्रमी। तथा परे ये मुनिपुंडरीकाः। ब्राह्मी च या पुस्तकधारिणी सती। सरस्वती पातु जगद्धितैषिणी। चक्रेश्वरी या प्रथमार्हतः सती। तथाजिता रोहिणिका च वज्रिणी। ततः परा चाप्रतिचक्रनामिका। पुरुषदत्ता काली च महाकाली। गौरी च गांधारी महाज्वालिनी। मानवी वैरोटी अच्छुप्ता मानसी। महामानसी षोडशविद्यादेवताः। सर्वे ते शासनदेवताः सदा। कुर्वंतु शांतिं मम सर्वकर्मसु। ॐ नमो भगवते श्रीआदिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीअजितनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीसंभवनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीअभिनंदननाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीसुमतिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीपद्मप्रभस्वामिने नमः। ॐ नमो भगवते श्रीसुपार्श्वनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीचंद्रप्रभस्वामिने नमः। ॐ नमो भगवते श्रीसुविधिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीशीतलनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीश्रेयांसनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीवासुपूज्यस्वामिने नमः। ॐ नमो भगवते श्रीविमलनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीअनंतनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीधर्मनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीशांतिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीकुंथुनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीअरनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीमल्लिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीमुनिसुव्रतस्वामिने नमः। ॐ नमो भगवते श्रीनमिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीनेमिनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीपार्श्वनाथाय नमः। ॐ नमो भगवते श्रीवर्द्धमानस्वामिने नमः। ॐ नमो भगवते। ऋषभाय नमः। अजिताय नमः। संभवाय नमः। अभिनंदनाय नमः। सुमतये नमः। पद्मप्रभाय नमः। सुपार्श्वाय नमः। चंद्रप्रभाय नमः। पुष्पदंताय नमः। शीतलाय नमः। श्रेयसे नमः। वासुपूज्याय नमः। विमलाय नमः। अनंताय नमः। धर्माय नमः। शांतये नमः। कुंथवे नमः। अराय नमः। मल्लये नमः। मुनिसुव्रताय नमः। नमये नमः। नेमये नमः। पार्श्वाय नमः। वर्द्धमानाय

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय। ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय। ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय।

ॐ नमोऽस्तु गणपतये सिद्धिबुद्धिसहिताय शुभमस्तु

ཨཱཿ བཛྲཱཡ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ

ཡུལ་གྱི། རྒྱལ་པོ་ཁྲི་གཙུག་ལྡེ། བཀའ་བསྩལ་པ་ནས་ཀྱང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད། ཅེས་
བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།
ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་ཆོས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡོད། ཆོས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཡོད།

७७ ॥ यव॑ः॒ गर्दि॑भाव॒पेषा॒ण्यव॒ऽन्याव॑तये॒ वय॑सा॒ पात्रे॑ऽक्षी॒भ्यो॒ऽधो॒ऽक्षि॒पः॒ ग्रसा॑ग॒दाय॑ गृ॒ह्णा॒ति॒ गृ॒ह्णा॒ति॒ ग॒दाय॑ ग॒दाय॑ गृ॒ह्णा॒ति॒ व्या॒घ्रपा॑दाय गृह्णाति॒ व्या॒घ्रपा॑दाय गृह्णाति॒ रो॒मशा॑य गृह्णाति॒ रो॒मशा॑य गृह्णाति॒ ये के च॒ गृ॒ह्णा॒ति॒ ये॒ के च॒ गृ॒ह्णा॒ति॒ ग्रावा॑णो॒ ग्रावा॑णो गृह्णाति॒ पेलु॑पाय गृह्णाति॒ पेलु॑पाय गृह्णाति॒ शी॒र्षा॒क्ष्या॒य गृ॒ह्णा॒ति॒ शी॒र्षा॒क्ष्या॒य गृ॒ह्णा॒ति॒ आ॒स॒न्दी॒वा॒ताय॑ गृह्णाति॒ आ॒स॒न्दी॒वा॒ताय॑ गृह्णाति॒ वि॒ष्ट॒म्भाय॑ गृह्णाति॒ वि॒ष्ट॒म्भाय॑ गृह्णाति॒ ध्रु॒वाय॑ गृह्णाति॒ ध्रु॒वाय॑ गृह्णाति॒ ध्रु॒व

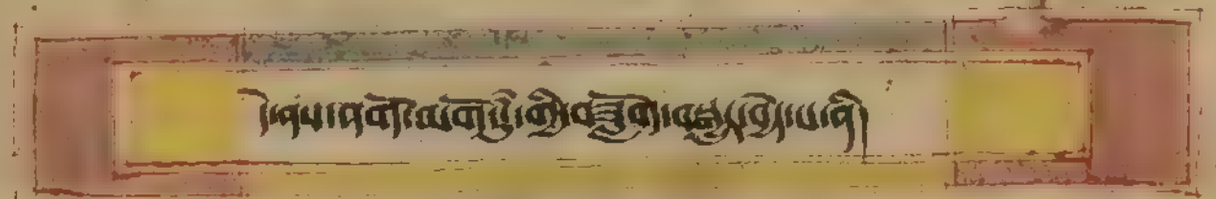

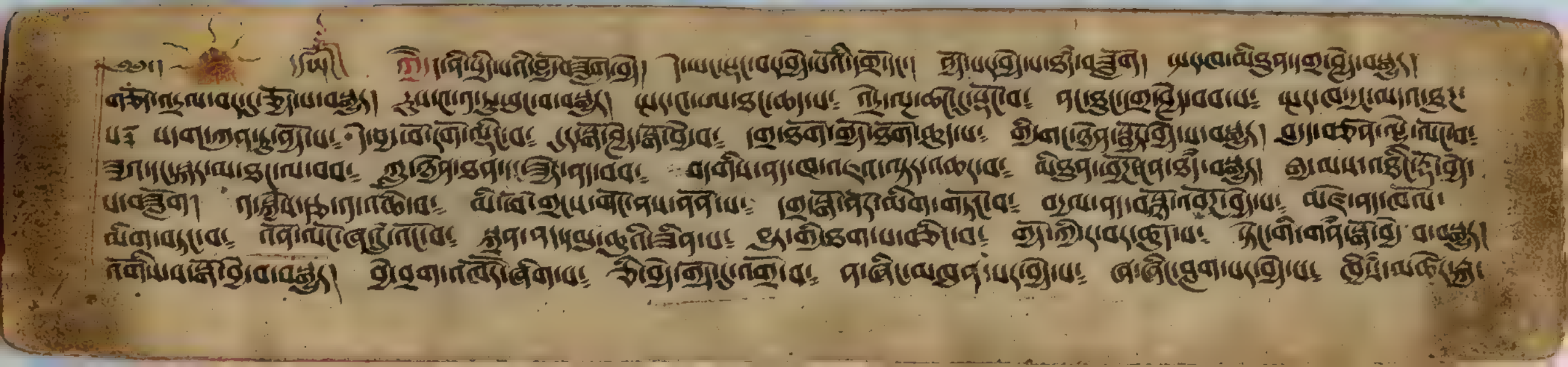

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नारायणाय ऋषभाय हंसाय वराहाय नृसिंहाय अमृतमथनाय मोहिनीरूपाय वामनाय त्रिविक्रमाय नमो भगवते हयशीर्षाय नमः श्रीधराय हृषीकेशाय पद्मनाभाय दामोदराय केशवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नारायणाय मत्स्याय कूर्माय वराहाय नृसिंहाय हयग्रीवाय हंसाय वेदप्रदाय नमो भगवते मोहिनीरूपिणे त्रिपुरविजयाय सर्वासुरविनाशनाय सर्वभूतहृदयस्थाय सर्वग्रहरूपिणे सर्वभूतप्रमथनाय नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नारायणाय नरसिंहाय महासिंहाय दिव्यसिंहाय भीषणाय मृत्युमृत्यवे नमो भगवते महाविष्णवे ज्वलज्ज्वलनाय महापुरुषाय सर्वतोमुखाय सर्वज्वरभयविनाशनाय नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नारायणाय नमो भगवते रुद्राय वामदेवाय अघोराय पञ्चवक्त्राय दशभुजाय सर्वाङ्गरूपिणे सर्वतोमुखाय सर्वदेवनमस्कृताय अनन्तायनिरुद्धाय नमो नमो रुद्राय नीलकण्ठाय उमापतये पशूनां पतये नमो हिरण्यबाहवे हिरण्यपतये अम्बिकापतये उमापतये पशुपतये नमो नमो भवाय देवाय रुद्राय शर्वाय ललाटाक्षाय विश्वरूपाय ब्रह्मणेऽधिपतये ब्रह्मशिवोमेपतये नमस्ते अस्तु भगवन्विश्वेश्वराय महादेवाय त्र्यम्बकाय त्रिपुरान्तकाय त्रिकाग्निकालाय कालाग्निरुद्राय नीलकण्ठाय मृत्युञ्जयाय सर्वेश्वराय सदाशिवाय श्रीमन्महादेवाय नमः

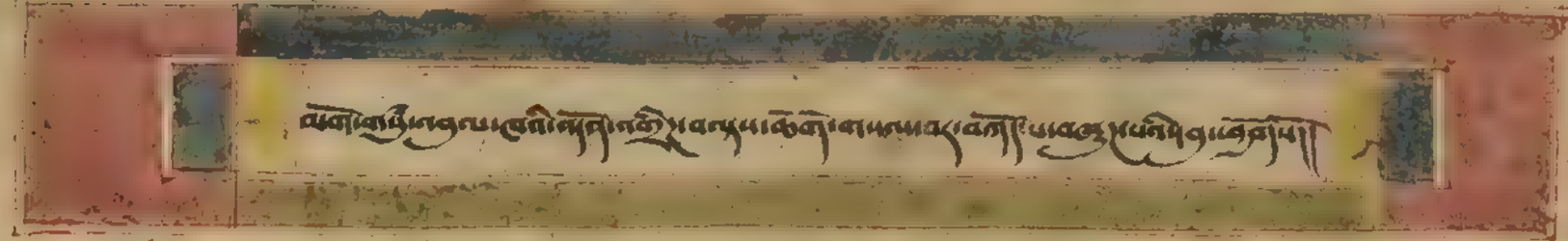

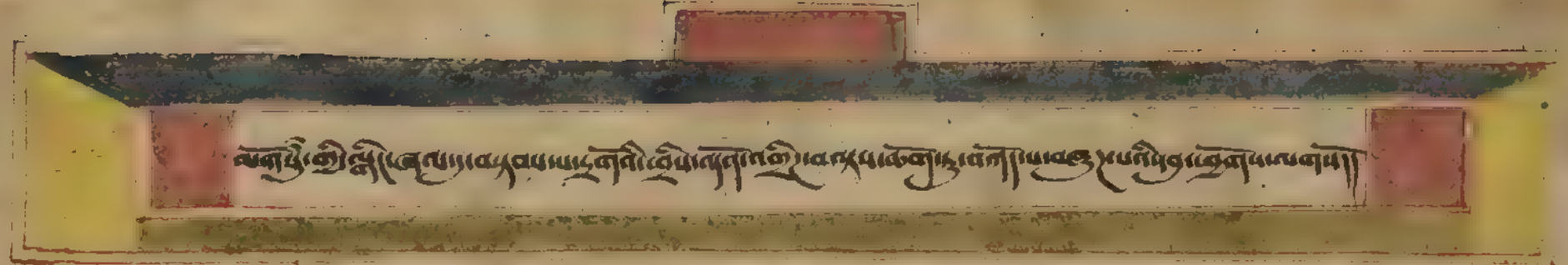

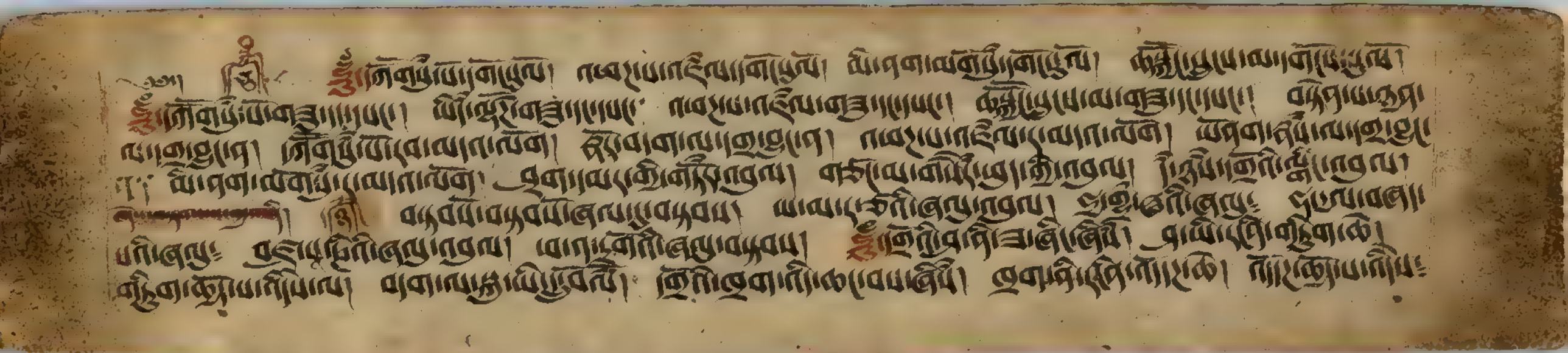

ાદેાદસ્યાવાદ્યુપાદ્યાદિકા॥ દ્વૈદ્યાદ્યસ્યાવદ્યેાપરીવાણેા॥દ્વૈદ્યાવ્યા॥ કવાદ્યુદ્યેદ્યઃ॥ વણેાદ્વૈદ્યા॥વાદ્યાદ્વૈદ્યા॥વાદ્યાદ્વૈદ્યા॥વાદ્યાદ્વૈદ્યા॥ વાદ્યાદ્વૈદ્યા॥વાદ્યાદ્વૈદ્યા॥વાદ્યાદ્વૈદ્યા॥

ॐ नमो लोकेश्वराय सर्वसत्त्वानां सर्वार्थसाधनकराय तद्यथा ॐ अवलोकिते अवलोकिते महाकरुणिके सर्वसत्त्वानां सर्वार्थसाधनकरे सर्वसत्त्वानां सर्वभयविनाशकरे सर्वसत्त्वानां सर्वव्याधिविनाशकरे सर्वसत्त्वानां सर्वदुःखविनाशकरे सर्वसत्त्वानां सर्वोपद्रवविनाशकरे सर्वसत्त्वानां सर्वोपसर्गविनाशकरे सर्वसत्त्वानां सर्वकर्मावरणविशोधनकरे सर्वसत्त्वानां सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानकरे सर्वसत्त्वानां सर्वतथागतसमयाधिष्ठानकरे सर्वसत्त्वानां सर्वतथागतवाक्याधिष्ठानकरे सर्वसत्त्वानां सर्वतथागतसत्य

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་བཏང་སྙོམས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཏུ་ཞུགས་ཏེ། ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་བཏང་སྙོམས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་ལངས་ཏེ།

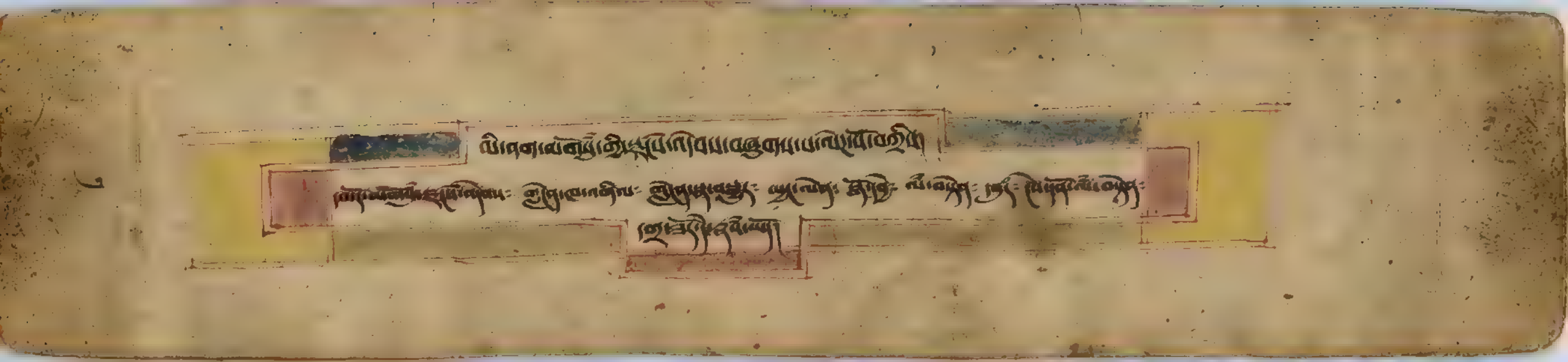

॥ ॥ ॥

ॐ नमो हरिः वाराहरूपायनमोऽस्तुते ॐ वसुमतीरक्षणायनमोऽस्तुते ॐ ऽऽदिदैत्यवधायनमोऽस्तुते ॐ वराह
वराहायनमोऽस्तुते ॐ वराहमहावराहायनमोऽस्तुते ॐ वाराहीवाराहीनमोऽस्तुते ॐ क्षितिवराहायनमोऽस्तुते ॐ नागेश्वराकारायै
नमः ॐ नागेश्वरायनमोनमः ॐ नागेश्वरीनागवाहनायैनमः ॐ हिरण्याक्षवधायैनमः ॐ सृष्टिस्थि
तिसंहारायैनमः ॐ हरिहरब्रह्मरूपायैनमः ॐ वराहवामनेश्वरायैनमः ॐ हिरण्यगर्भाण्डमध्यवासिन्यैनमः ॐ
हिरण्यगर्भसंभवायैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रायैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रेश्वरीदेव्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रजनन्यैनमः ॐ
ब्रह्मविष्णुरुद्रपालिन्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसंहारिण्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रतिरोधानकर्त्र्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रानुग्रहकर्त्र्यै
नमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसदाशिवेश्वरीदेव्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसदाशिवेश्वरीदेव्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसदाशिवेश्वरीदेव्यै
नमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसदाशिवेश्वरीदेव्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसदाशिवेश्वरीदेव्यैनमः ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रसदाशिवेश्वरीदेव्यै

ཨོཾ། བཛྲིཎཱི་ཡཱ་ཧཱ། ཨོཾ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय। तद्यथा। ॐ वज्रकुमार वज्रधर वज्रपाणि वज्रतुण्ड वज्रदंष्ट्र वज्रनख वज्रजिह्व वज्रकेश वज्रोदर वज्रवेग वज्रतेजो वज्रशरीर वज्रज्वाला वज्रमालाभरण वज्रचण्ड महाबल महाकाय महाविद्याराज महाविद्यानुचर महाविद्यानुगत महाविद्यानुसारिन् महाविद्यानुरक्त महाविद्यानुपालित महाविद्यानुपालित महाविद्यानुपालित

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥
ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिदत्तनिर्भक्षणाय हुलुहुलु मातङ्गि सिद्धिकरि महामयूरि आर्यजाङ्गुलि स्वाहा ॥

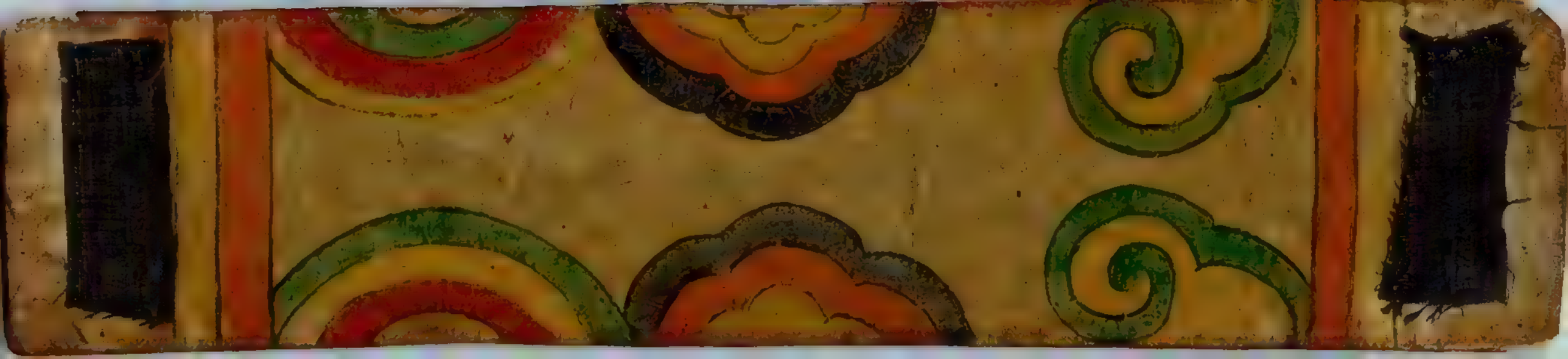

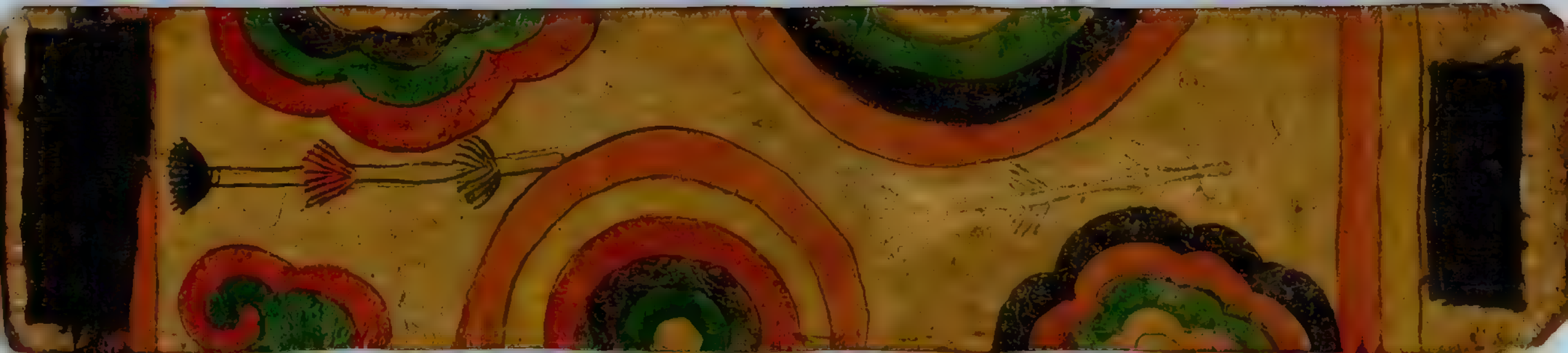

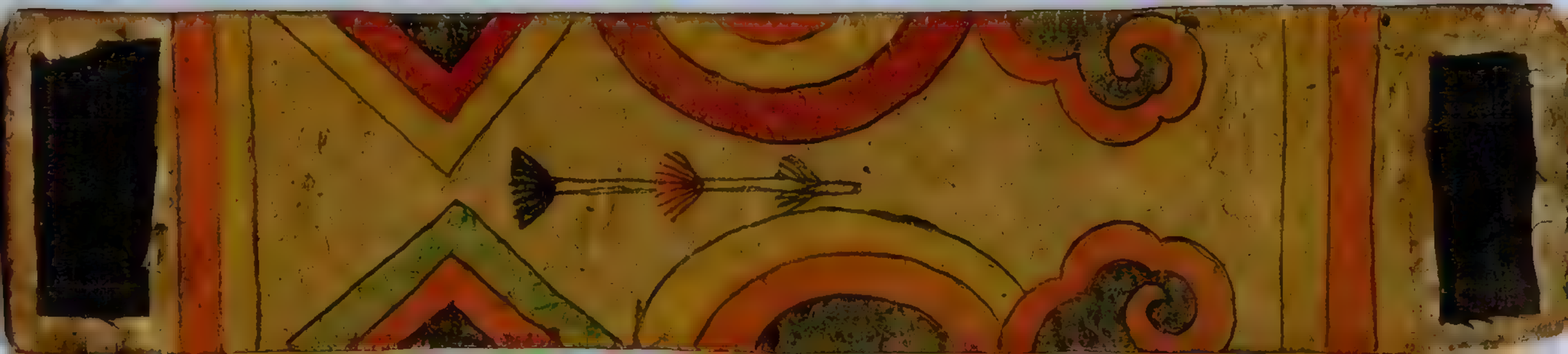

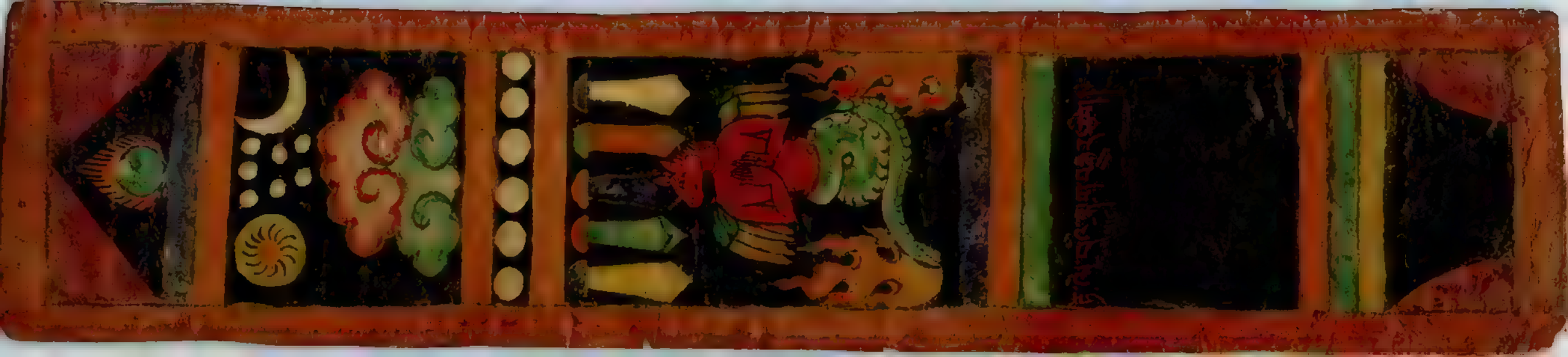

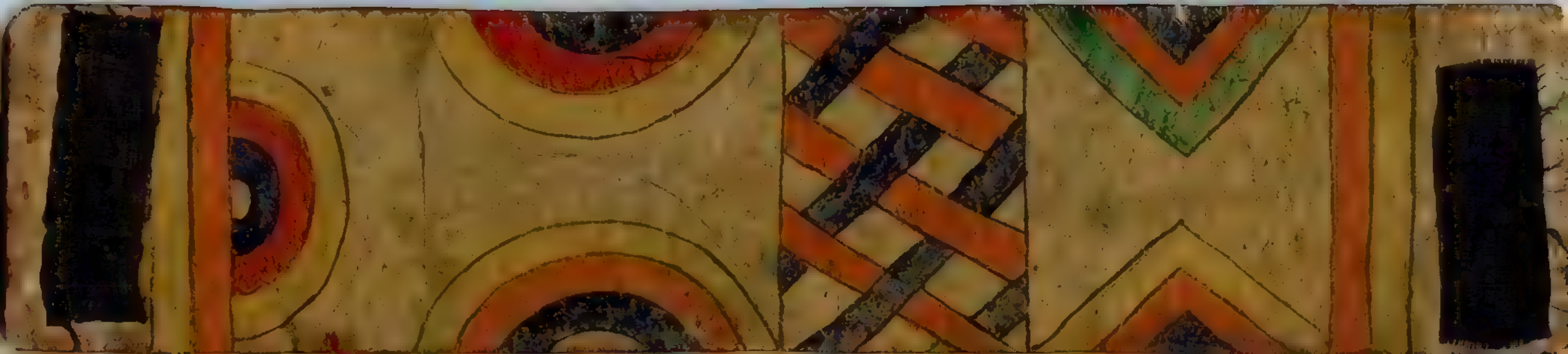

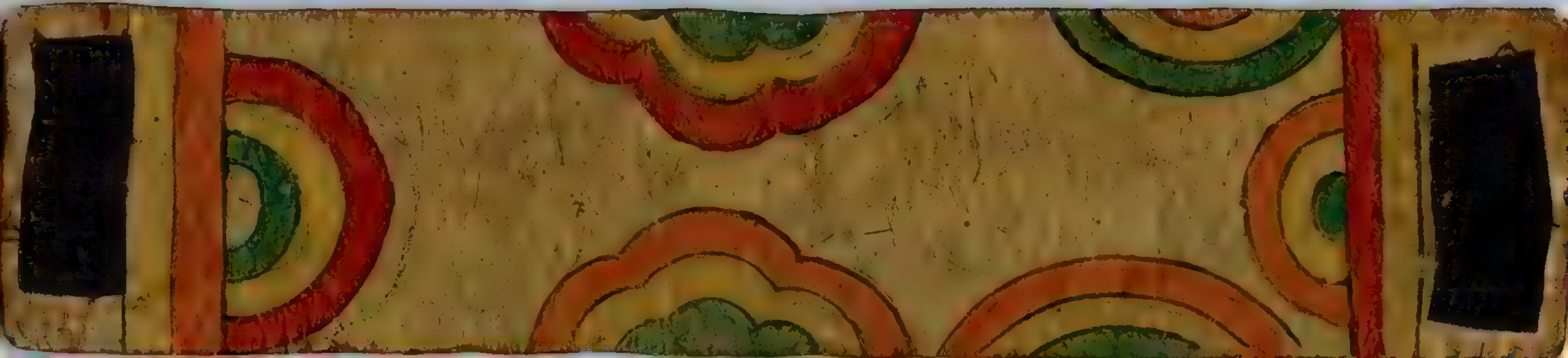

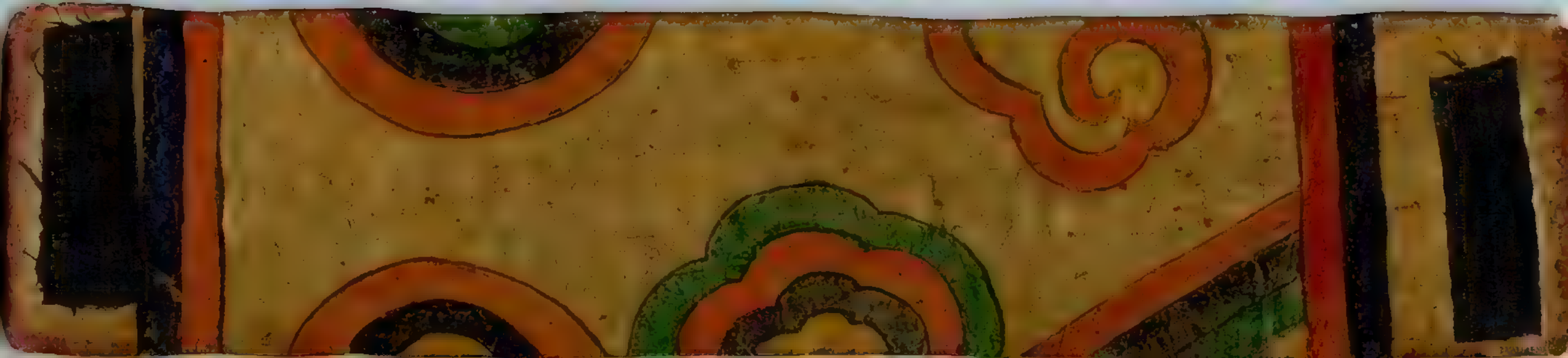

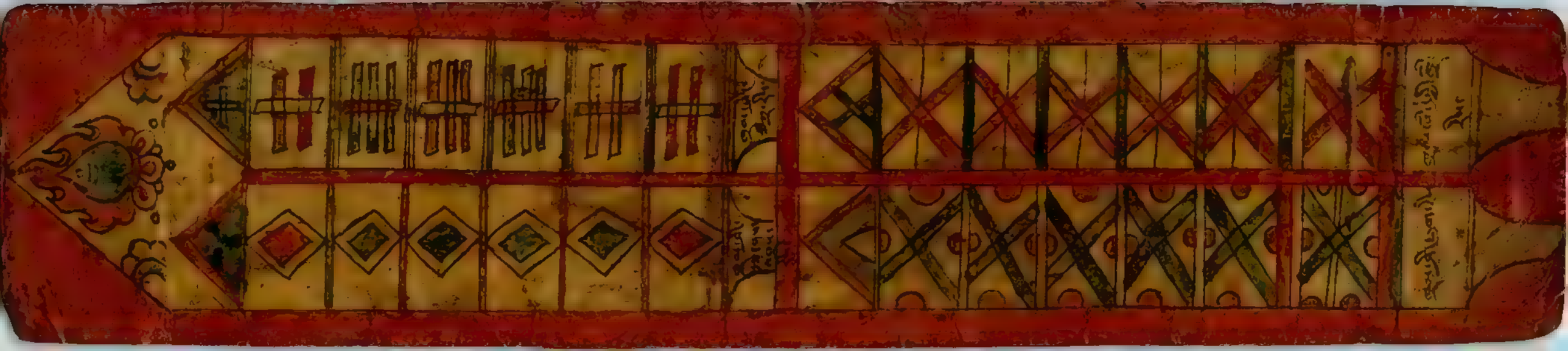

ཨོཾ་བཛྲཱ་ཀྲོ་དྷ་ཤྲཱི་ཧཱུྃ་ཐཱཾ།

དམ་ཚིག

སྐབས།

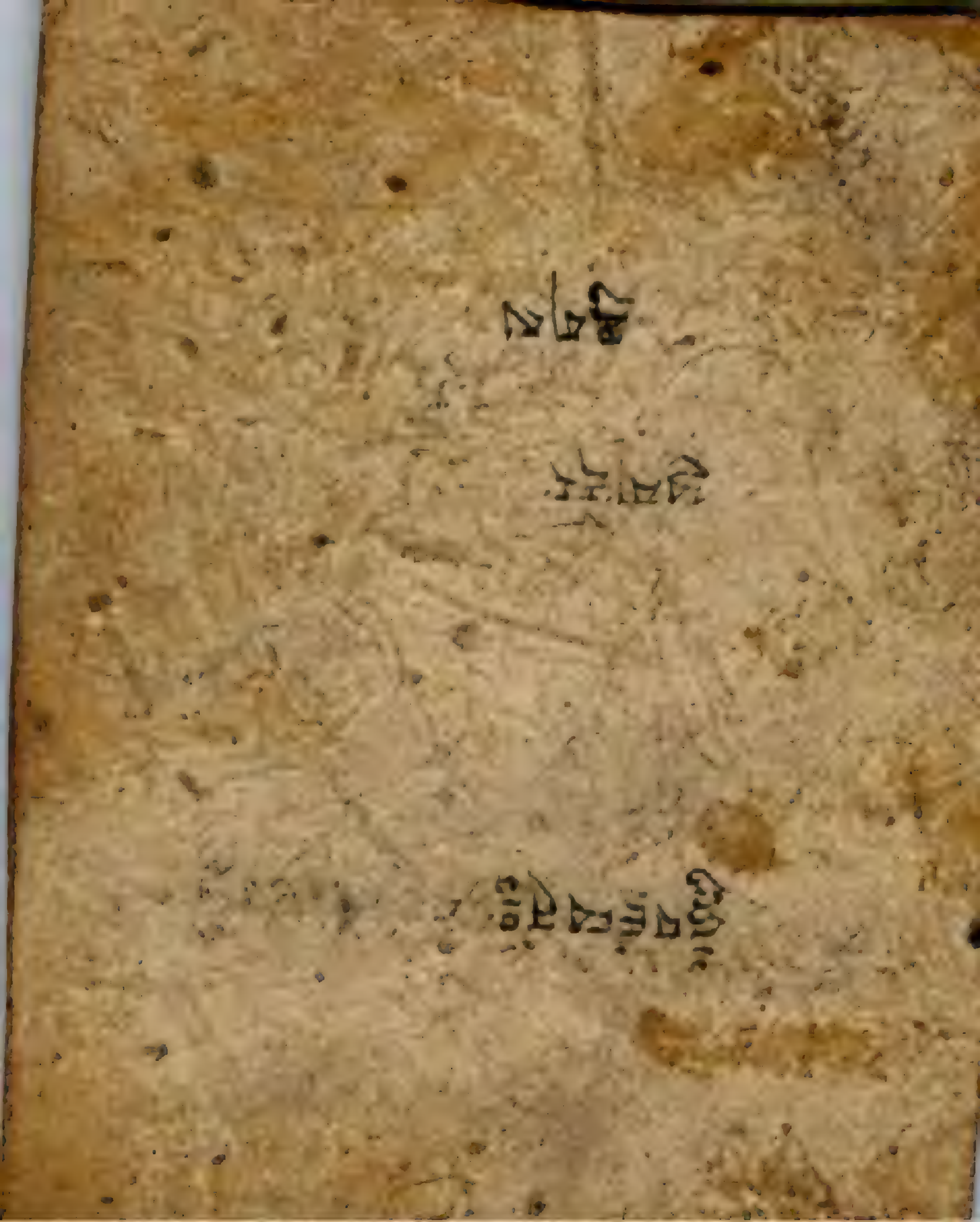

ཨོཾ་ཡེ་ཧ་ག་རྟ་སྟོཾ། ཨོཾ་རྣམ་སྣ་ཐ་ཐ།
ཨོཾ་ཐག་པེ་ཡེ་ཧ་ཏཱ། ཨོཾ་ཀུ་ལ་མ་ཁ་

དཔུ་ཁ་མེ་ཏོ་ཁ་སྒྲུབ་ཁ་ཅུང་ཞེ།

# ཇོ་ཐེ་ཤ་ནག་ཚོ་དབུ་ཀའི་སྡེབ་པ་ཞེས་བྱ།

ཞེས་བཤད་པའོ།།

ཤུ་ཀཱཾ་ཏི་ཀཱ།

།

ཨོཾ་བཛྲ་དྷ་ར་ཧཱུཾ་ཐོ་ཁ་ཡེ་སྭཱ་ཧཱ།

སྒྲུབ་ཐེངས་གཉིས།

ཨོཾ་སྭ་བཱ་ཧཱ་མཱ་ཏྲ་ཨེ་ཀ་ཨ་ཀྵ་རཱ།

[redacted]

ཨོཾ་ཏཱ་རེ་ཏུ་ཏྟཱ་ར།

ཨོཾ་ཨཿཧཱུྃ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཨཱརྱ་ལོ་ཀེ་ཤྭ་ར།

སྨོན་ཏུ་བ་ཞེས་པ་ཐར་རྒྱུ།

ཨོཾ་བཻ་ཌཱ་ཡ་ཙཱ་པཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ཨཱ་ཏྨ་

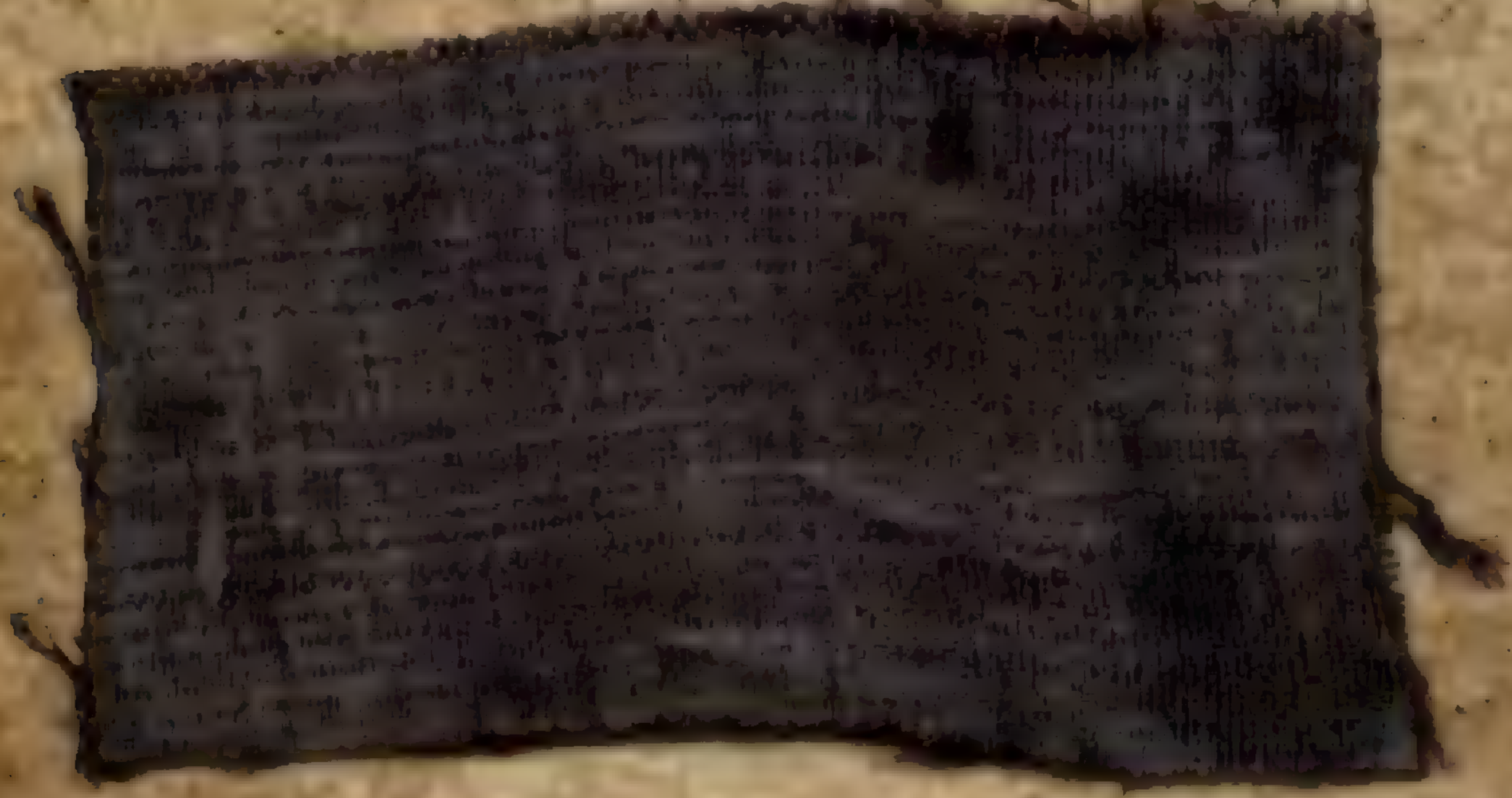

ཤུ་ཤྲཱ་དྷུ་ཀྟ་ཨཿསྭཱ་

ཨོཾ་ཨཿཧཱུྃ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཨཱ་ལོ་ཀེ་ཤྭ་ར།

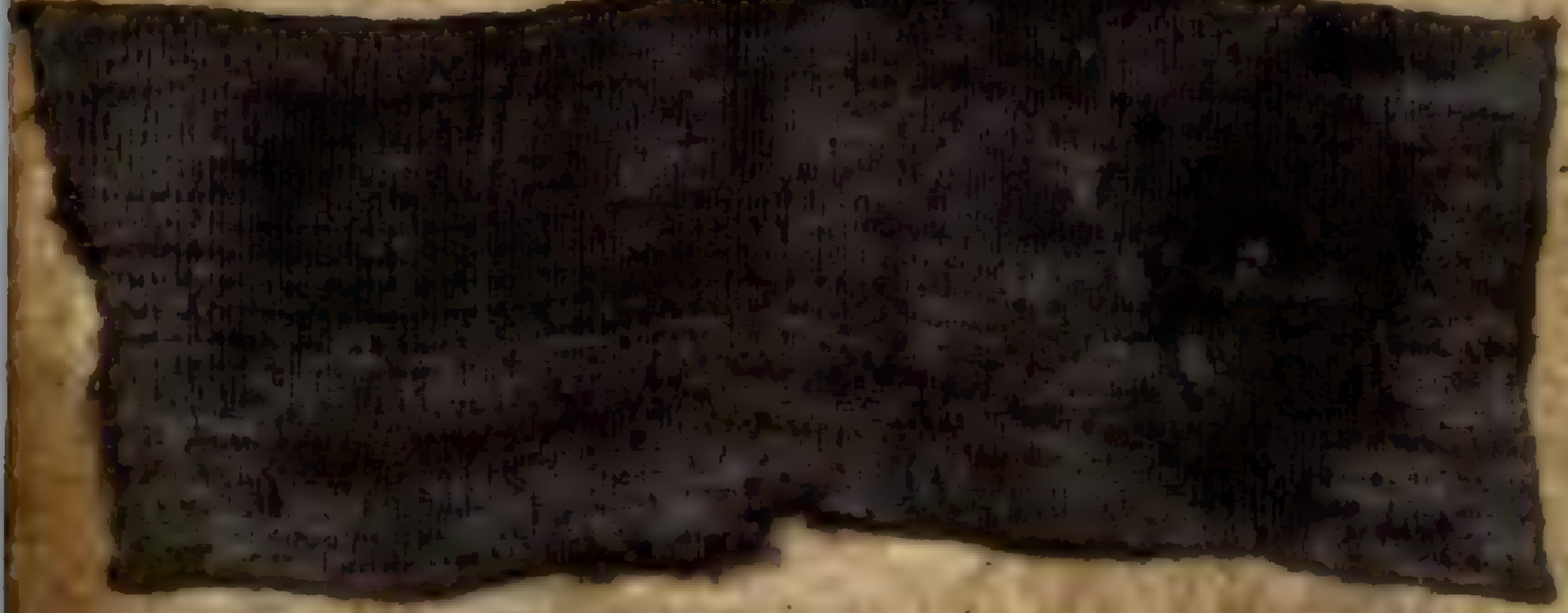

ཤྲཱི་ཧཱ་ར་ཧཱ་ན་ཧ་ཡ་ཝ་ཏྲ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་སྭཱ་ཧཱ།

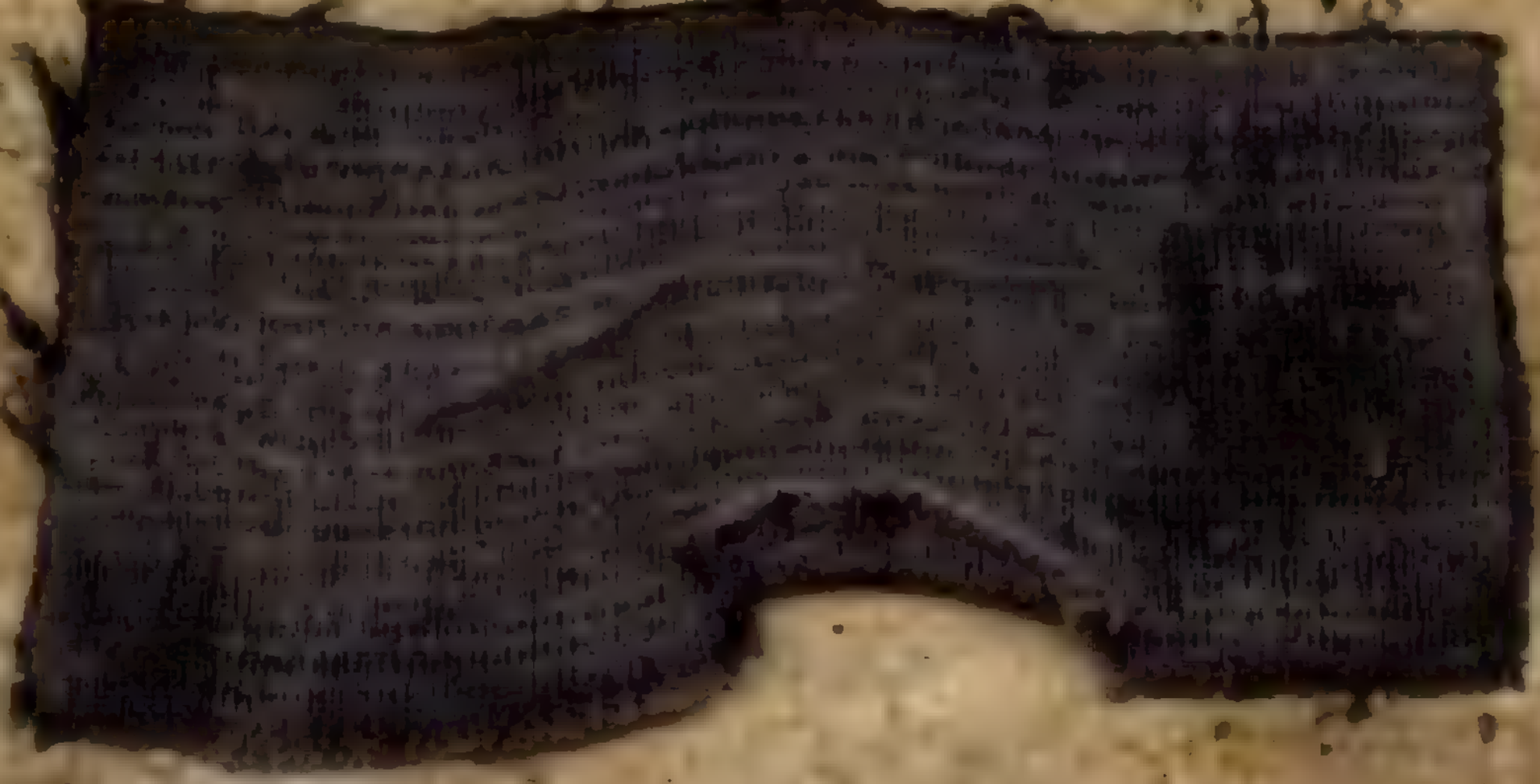

ཞུན།

གསལ་རྡོར་དམར་པོ་མཚན་གསུམ།

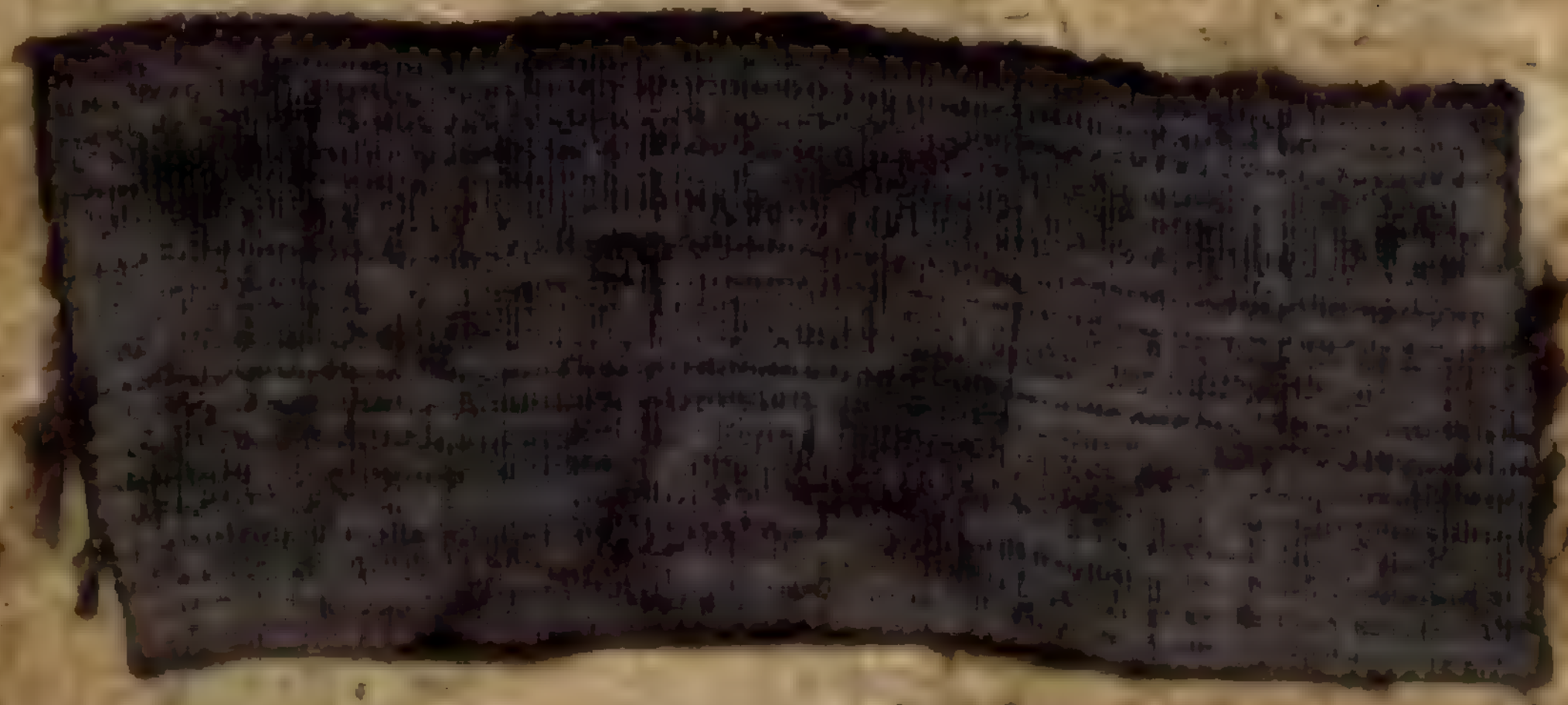

གཡས་ཕྱི་རྒྱུ་ཁྱིམ་བདུན།

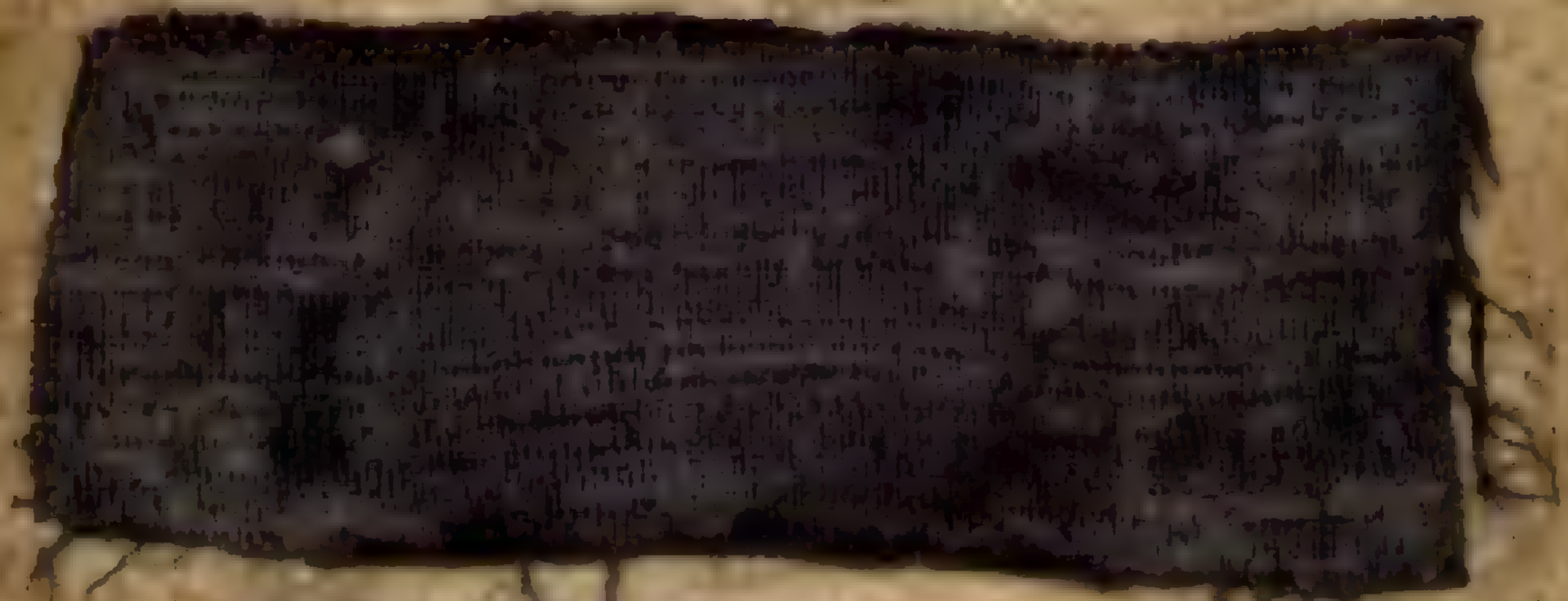

ཐུབ་པའི་རྒྱུད་ལས་བཅུན་ནོ།།

ꠀꠀꠀ

དཀར་ཡོ

ཤཱཀ་རྟེ།